

BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY

जानकी न्यू लाईफ

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

कीड़ा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614

EMERGENCY

75 108 57 108

हैड इंजरी, कोमा, सरवर्ड, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिक्स, न्यूरो रिहब, इंटनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, नॉईट रिसेसमेंट, आईसीयू माइक्रोवर ओटी, यूरो सर्जरी, बेस्कुलर सर्जरी..एम.आर.आई, सीटी स्कैन, यूएसजी, एक्स रे, प्रभुति व स्त्री रोग वतः..

न्यूरोलॉजिस्ट

हैड सर्जरी

हैड ट्यूमर

रिहबिलिटेशन

आईसीयू

यूरोलॉजिस्ट

डॉ. सनी सतीश

जायसवाल न्यूरो सर्जन

डॉ. सौ. पूनम सनी

जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 03 सितम्बर 2026

दिन - गुरुवार

वर्ष-14 वां

पृष्ठ - 12

अंक - 218

मूल्य - 5 रुपये

7 Years

SAHAYOG HOSPITAL

निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर

वैधता 31 अगस्त 2026 तक

91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट

● वारासिवनी

● कटंगी

● बैहर्

● लांजी

● परसवाड़ा

● सिवनी

● बरघाट

● छपारा

● केवलारी

● गोंदिया - भंडारा

● आमगांव

● गोरेगांव

● सालेकसा

● देवरी

● तिरोड़ा

ड्रीम्स होंडा

जन्माष्टमी

महोत्सव

कम खर्च, ज्यादा फायदा

स्मार्ट लोगों की

पहली पसंद !

नये INDIA की

AMAZING

Shine 100

75 KM प्रति लीटर*

शानदार माईलेज

एक्स-शोरूम (मध्यप्रदेश)

₹65839/-*

₹59999/-*

एक्स-शोरूम (बालाघाट)

सीधा

₹ 5640/-*

कैश डिस्काउंट

न्यूनतम ब्याज दर

@6.99%*

लोन

100%* तक

3+7*

10 साल की

वारंटी उपलब्ध

लम्बी और कम्फर्टेबल सीट

आकर्षक एलॉय व्हील्स

आल न्यू 100सीसी डोबल इंजन

मुपीरियर सस्पेंशन

शगुन का*

1 रुपये का

सिक्का देकर

ले जा सकते हैं

अपनी शाइन 100

ड्रीम्स होंडा

गोंदिया रोड, बालाघाट

8349272776, 9109942776

बैहर्

8269793376

कटंगी

8109182276

वारासिवनी

9893552276

लालबरा

8085112276

किरनापुर

8085882276

लांजी

9301750675

बिरसा

9669526297

चांगोटोला

8959143504

खैरलांजी

8962992776

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शान्ति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुवेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
व्योत्पन्न पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा
live शहर बालाघाट

● गर्ग ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई

मान्यता
ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियों सुधारी जाती है।

HERO **BAJAJ** **HONDA** **TVS** **मनीष वर्मा**
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

आदिवासी बच्चों की मौत मामले में बड़ा जनाक्रोश, और अधिकारी को हटाकर कार्यवाही की इतिश्री..

जवाबदारी तय करने वाली कार्यवाही और सख्त सजा की बजाए एक बार फिर सरकार ने की 30 आदिवासी बच्चों की मौत पर ढुलमुल कार्यवाही और झाड़ा पल्ला..

डॉ. परेश उपलप के स्थान पर डॉ. मनोज पांडेय को दी जिम्मेदारी..



डिंडौरी के वर्तमान सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडेय को बालाघाट का नया सीएमएचओ बनाया गया है। डॉ. मनोज पांडेय पहले भी बालाघाट के सीएमएचओ रह चुके हैं, तथा वारासिवनी के बीएमओ के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। कोरोना काल में भी डॉ. मनोज पांडे ही सीएमएचओ के रूप में पदस्थ थे। गौरतलब है कि जिस तरह की जानकारीयां और शिकायतें सामने आ रही हैं, उसमें डॉ. परेश उपलप पर गंभीर आरोप लग रहे हैं। विशेषकर जिले में लगातार आदिवासी बच्चों की मौत के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं, और समय पर कार्यवाही करने में डॉ. परेश उपलप का भ्रष्टाचार और लापरवाही को दोषी बताया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग में अधिनस्थ अनेक कर्मचारी और अधिकारी भी दबी जुबान डॉ. परेश उपलप के कारनामों की चर्चाएं कर रहे हैं, तथा सीधे तौर पर डॉ. परेश उपलप को अनेक राजनीतिक नेताओं के संरक्षण के भी दावे कर रहे हैं, तथा इसी के चलते डॉ. परेश उपलप अब जहां आदिवासी बच्चों की मौत के मामले में हर किसी के निशाने पर हैं, वहीं सरकार की ओर से अभी भी उसका बचाव किया जा रहा है, जिसके कारण जनाक्रोश कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शिकायत तो यह भी हो रही है कि डॉ. परेश उपलप की जाती प्रमाणपत्र भी फर्जी हैं, और जांच की मांग की जा रही है, तथा माना यह जा रहा है कि यदि परेश उपलप पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो जनाक्रोश भी शांत नहीं होगा।

मामले में जनाक्रोश को शांत करने के लिये कड़ी कार्यवाही करने का भ्रम पैदा करने का कार्य सरकार की ओर से किया गया था, और ऐसा ही एक बार फिर जबकि बालाघाट में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में तथा जिला टीकाकरण अधिकारी के रूप में डॉ. परेश उपलप की बड़ी गलतियां सामने आईं, इस स्थिति में सरकार की ओर से बढ़ते जनाक्रोश के चलते दिखावे की कार्यवाही की गई है, तथा डॉ. परेश उपलप को जहां पहले टीकाकरण अधिकारी के पद से हटाया गया था, वहीं अब परेश उपलप को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की जवाबदारी से हटाकर उसके स्थान पर पूर्व सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडे को पदस्थ करने के आदेश जारी किये गए हैं।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से मंत्री राजेन्द्र शुक्ल के निर्देश पर बुधवार देर शाम यह कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार

जगप्रेरणा बालाघाट।

जब भी प्रशासनिक चूक या राजनीतिक संरक्षण के कारण कोई बड़ी घटना, दुर्घटना जैसा मामला होता है, और जनाक्रोश चरम पर पहुंचता चला जाता है, सरकार की ओर से कार्यवाही के नाम पर जिम्मेदार अधिकारी का तबादला करते हुए नए अधिकारी को पदस्थ कर दिया जाता है, और मामले की इतिश्री कर दी जाती है। भाजपा सरकार में जब खैरी पटाखा विस्फोट हुआ

था, जिसमें अनेक लोगों की मौत हो गई थी, इस मामले में भी कार्यवाही के नाम पर तत्कालीन अधिकारियों का स्थानांतरण कर

संतान की दीर्घायु के लिए माताओं ने किया 'हरछट' का पूजन, सुख समृद्धि की कि कामना..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में हिंदू धर्मांलंबी महिलाओं द्वारा हरछट का पर्व हस्तोद्धास के साथ मनाया गया। जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए, तो वहीं माताओं ने संतान की दीर्घायु उज्ज्वल भविष्य और परिवार की

सुख समृद्धि के लिए विशेष पूजा अर्चना कर मन्त्रों मांगी। जहां माओं ने निर्जल व्रत रख सामूहिक रूप से विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए। तो वहीं सामूहिक पूजा में हिस्सा लेकर विशेष प्रार्थना की गई। नगर में सुबह से देर शाम तक हरछट पर्व की धूम देखने को मिली। गौरतलब है कि हंडू पंचांग के मुताबिक, भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला हरछट (हलषष्ठी) सौभाग्यवती माओं ने बुधवार को यह पर्व मनाया।

जहां विधिविधान से व्रतधारी महिलाओं ने विशेष पूजन अर्चन कर संतान की दीर्घायु के लिए प्रार्थनाएं की। बताया जा रहा है कि यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण के ज्येष्ठ भ्राता बलरामजी के जन्मोत्सव रूप में भी मनाया गया। हरछट के दिन महिलाएं अपनी संतान की दीर्घायु और उसके स्वास्थ्य जीवन की कामना के लिए व्रत रखकर पूजन आदि करती हैं। मान्यता है कि ऐसा



करने से भगवान हलधर यानी कि बलराम जी उनके पुत्रों को लंबी आयु प्रदान करते हैं। वहीं संतान प्राप्ति की भी कामना पूरी करते हैं।

इस दिन अपनी संतान की लंबी उम्र की कामना के साथ माताएं पूरे मन से पूजन करती हैं। बालाघाट में यह पर्व बड़ी ही आस्था, विश्वास और श्रद्धा के साथ व्रतधारी महिलाओं के घर में मनाया गया। बुधवार को व्रतधारी माताओं द्वारा घर में पूजन कर अन्य महिलाओं को पूजा के लिए आमंत्रित किया और सामूहिक रूप से पूजन उपरांत उन्हें बांस से बनी टोकरी में लाई, महुआ, चने और पूजन में चढ़े फलों का प्रसाद वितरित किया। वहीं अन्य सुहाग की सामग्रियों का आपसी में आदान प्रदान किया गया। इस दौरान

भजन कीर्तन सहित अन्य आयोजन भी सम्पन्न कराए गए।

बोली व्रतधारी महिलाएं..

पर्व विशेष को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान व्रतधारी महिलाओं ने बताया कि भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी को पुत्र की दीर्घायु और उज्ज्वल भविष्य के साथ ही माताएं यह पूजन करती हैं। यह व्रत पुत्र प्राप्ति के लिए भी किया जाता है। इस पूजन में व्रतधारी महिलाएं बिना जोते परसोड़ के चावल और भैंस के दूध या दही का ही सेवन करती हैं। संतान की दीर्घायु और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थनाएं की जाती है।

07 से 12 सितंबर तक होगी राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2026, पीजी कॉलेज में बनाया गया परीक्षा केंद्र..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2026 का आयोजन 07 से 12 सितंबर 2026 तक किया जा रहा है। परीक्षा के लिए बालाघाट में पीएम श्री जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इस केंद्र पर कुल 51 परीक्षार्थी राज्य सेवा मुख्य परीक्षा में शामिल होंगे। निर्धारित

कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा 07 से 12 सितंबर तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन

द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पूर्व पहुंचने तथा आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा के सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन के लिए बालाघाट जिले में भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी डॉ. श्रीकांत पाण्डे को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

प्रेक्षक द्वारा परीक्षा की व्यवस्थाओं एवं संचालन पर निगरानी रखी जाएगी। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम के मार्गदर्शन में परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा, बैठक व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और परीक्षा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न कराई जा सके।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्सअप पर भी उपलब्ध है।

अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

आज बंद रहेगा बालाघाट, मासूम बैगा बच्चों की मौत के विरोध में बालाघाट बंद का केमिस्ट एसोसिएशन ने किया समर्थन

दवा दुकानें दोपहर 1 बजे तक रहेगी बंद, दिवंगत बच्चों को दी जाएगी श्रद्धांजलि..

जगप्रेरणा बालाघाट।
जिले में मासूम बैगा बच्चों की दुखद मृत्यु के मामले में अब तक जिम्मेदारी तय नहीं किए जाने के विरोध में प्रस्तावित बालाघाट बंद का बालाघाट केमिस्ट एसोसिएशन ने पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। एसोसिएशन ने कहा कि बच्चों की मौत जैसी गंभीर घटना के बाद भी यदि जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही तय नहीं होती है, तो यह शासन-प्रशासन की गंभीर संवेदनहीनता को दर्शाता है।

केमिस्ट एसोसिएशन ने कहा कि मासूम बच्चों की मृत्यु के बाद केवल दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि देकर मामले को समाप्त नहीं किया जा सकता। घटना की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक दोषियों की पहचान और उनकी



जवाबदेही तय करना आवश्यक है। एसोसिएशन ने मांग की कि शासन मामले में कठोर और निष्पक्ष कार्रवाई करे। एसोसिएशन ने छिंदवाड़ा में बच्चों की मृत्यु की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय शासन द्वारा तत्काल जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए निर्दोष दवा व्यापारियों के विरुद्ध भी आवश्यक कार्रवाई की गई थी। एसोसिएशन का कहना है कि ऐसे मामलों में निर्दोष लोगों को कार्रवाई से बचाते हुए वास्तविक दोषियों की जिम्मेदारी शीघ्र निर्धारित की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

29 मासूम बच्चों की मौत के बावजूद जवाबदेही तय नहीं होने पर चिंता..

केमिस्ट एसोसिएशन ने कहा कि बालाघाट में 29 मासूम बैगा बच्चों की मृत्यु के बावजूद आज तक जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही तय नहीं होना बेहद चिंताजनक है। शासन को औपचारिक कार्रवाई तक सीमित रहने के बजाय पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। एसोसिएशन के निर्णय के अनुसार प्रस्तावित बालाघाट बंद के दौरान सभी दवा दुकानें दोपहर 1 बजे तक बंद रहेगी। इस दौरान केमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी और सदस्य दिवंगत मासूम बच्चों को श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे। एसोसिएशन ने शासन से मांग की है कि बच्चों की मृत्यु की घटना की समुचित एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों की जवाबदेही तत्काल तय की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी हृदयविदारक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए जिम्मेदारों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

एआई से बदलते दौर पर बिजनेस और अपना कैरियर कैसे बनाएं..

स्किलथॉन में मोटिवेटरो ने किया मोटिवेट, जीतो बालाघाट ने कराया आयोजन

जगप्रेरणा बालाघाट।
किसी भी बिजनेस और कैरियर के लिए संवाद, व्यक्तित्व, नेतृत्व और व्यवसायिक कौशल, सबसे महत्वपूर्ण होता है, लेकिन इसमें और निखार, लाने के लिए, जीतो बालाघाट इकाई ने, गत दिवस एक निजी लॉन में स्किलथॉन का आयोजन किया था। जिसमें वर्तमान दौर

में एआई से तेजी से बदलते माहौल में खुद को और अपने बिजनेस एवं कैरियर को भविष्य के लिए तैयार कैसे करें, इसको लेकर अहमदाबाद से आए मोटिवेटोर अर्पित शाह और कलकत्ता से आए शशि दुग्गड़ ने मोटिवेट किया। इस दौरान बतौर अतिथि विधायक गौरव पारधी, एसपी आदित्य मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार सोहन वैद्य सहित अन्य मौजूद थे। जीता युथ विंग के अध्यक्ष कुशल कांकरिया, सचिव वीरम बापना, चेटर प्रेसिडेंट अतुल वैद्य और सेक्रेटरी निशांत लोढ़ा ने बताया कि वर्तमान दौर में स्किलथॉन का आयोजन ना केवल व्यवसायिक क्षेत्र बल्कि कैरियर क्षेत्र में भी एक मील का पत्थर साबित होगा।



सुश्रुत क्षारसुत्र व आयुर्वेद पंचकर्म सेंटर

- मुकुल्याध (बवासीर) ● भगंदर (नासुर)
- फिशर ● कड निकलना व अन्य गुदरोग



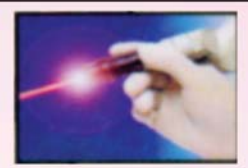
अत्याधुनिक व्हेसल सिलर, लेजर व क्षारसुत्र द्वारा दर्दरहित सफल चिकित्सा



व्हेसल सिलर मशिन



व्हेसल सिलर क्लैम्प



लेजर

डॉ. कमलापती खोब्रागडे
BAMS, M.S. (Scholar) CCKS (Guj)
मुकुल्याध, भगंदर व गुदरोग विशेषज्ञ

डॉ. सौ. अपर्णा खोब्रागडे
BAMS, D.P.C. (Mumbai)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक

साकेत पब्लिक स्कूल के पास, गणेश नगर, गोंदिया (महाराष्ट्र)
मोबा. 09823021274

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

5

बुधवार 03 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

लालबर्बा, बैहर, परसवाड़ा

कनकी, बेहरई, खमरिया, जाम, उकवा, मलाजखंड, बिरसा, गढ़ी, लामटा, चांगोटोला..

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

किसानों के लिए खुशखबरी: 9 सितंबर को दीना टोला उमरिया में मनाया जाएगा राष्ट्रीय पोला महोत्सव..

पहली पांच उत्कृष्ट बैल जोड़ियों को मिलेगा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र, नशामुक्त और आदर्श पोला मनाने का लिया संकल्प..

संजना मोनू बर्वे, जगप्रेरणा उकवा।



राष्ट्रीय महासभा की ओर से प्रथम पांच उत्कृष्ट बैल जोड़ियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा महोत्सव में शामिल होने वाली सभी बैल जोड़ियों के मालिकों को भी सम्मानित करते हुए सांवना पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

पारंपरिक तरीके से निकलेगी आरती

महोत्सव के दौरान ग्राम पटेल के घर से आरती निकालकर बाजे-गाजे के साथ तोरण स्थल तक पहुंचने की परंपरा निभाई जाएगी। वहां बैलों की आरती उतारकर टीका लगाया जाएगा। इसके बाद उपस्थित लोगों द्वारा पारंपरिक रूप से झड़ती बोली की रस्म निभाई जाएगी। साथ ही उपस्थित लोग एक-दूसरे को टीका लगाकर आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भावना का संदेश देंगे। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन ग्राम दीना टोला, उमरिया, खमरिया एवं बिजोरा के किसानों के विशेष सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में सकल कमेटी पोंडी-उकवा, पंवार राम मंदिर ट्रस्ट बैहर, जिला पंवार संगठन बालाघाट एवं राष्ट्रीय पंवार महासभा भारत का सहयोग रहेगा। कार्यक्रम में दूर-दराज से भी लोगों के पहुंचने की संभावना है।

इन पांच मानकों पर होगा बैल जोड़ियों का चयन

महोत्सव में उत्कृष्ट बैल जोड़ियों का चयन विभिन्न मानकों के आधार पर किया जाएगा। इनमें बैलों का स्वास्थ्य एवं साफ-सफाई, बैल जोड़ी की एकरूपता, रंग-रूप एवं आकार, सींगों की सजावट, माला-झालर, घुंघरू व कंठा, पीठ की चादर एवं झूल-परदा, अनुशासन तथा बैल जोड़ी लेकर आने वाले किसान की वेशभूषा शामिल है। प्रत्येक मानक के लिए 10-10 अंक निर्धारित किए गए हैं।

हरछट पर माताओं ने रखा संतान के लिए व्रत विधि-विधान से की पूजा कर बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की..

जगप्रेरणा लालबर्बा।
लालबर्बा क्षेत्र में बुधवार को हरछट पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर महिलाओं ने पूरे दिन व्रत रखा।



सुबह से ही घरों और पूजा स्थलों पर महिलाओं की चहल-पहल रही। पूजा-अर्चना के बाद महिलाओं ने हलषष्टी माता की कथा सुनी और भगवान बलराम का स्मरण कर परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की।

संतान की लंबी उम्र के लिए रखा व्रत

हलषष्टी पर्व को संतान की दीर्घायु और उनके सुखमय जीवन से जोड़कर देखा जाता है। महिलाओं ने अपने बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य, उज्ज्वल भविष्य और परिवार में सुख-शांति की कामना के साथ व्रत रखा। पर्व को लेकर सुबह से ही महिलाओं में खास उत्साह नजर आया।

पूजा स्थल सजाकर की हलषष्टी माता की पूजा

ब्रती महिलाओं ने घरों और पूजा स्थलों की साफ-सफाई कर उन्हें पारंपरिक तरीके से सजाया। इसके बाद विधि-विधान से हलषष्टी माता की पूजा-अर्चना की गई। पूजा के दौरान महिलाओं ने परिवार की खुशहाली और संतान की रक्षा के लिए प्रार्थना की।

समूह में जुटी महिलाएं, सुनी पर्व की कथा

कई स्थानों पर महिलाएं समूह में एकत्र हुईं

और सामूहिक रूप से पूजा-पाठ किया। इस दौरान हलषष्टी व्रत की कथा सुनी गई। धार्मिक अनुष्ठान और कथा के चलते पूरे क्षेत्र में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से पर्व की पूजा पूरी की।

भगवान बलराम का किया स्मरण

हलषष्टी पर्व का संबंध भगवान बलराम से भी माना जाता है। पूजा के दौरान महिलाओं ने भगवान के दौरान महिलाओं ने भगवान

बलराम का स्मरण कर संतान के स्वस्थ और सुरक्षित जीवन की कामना की। मान्यता के अनुसार यह पर्व माताओं की आस्था और संतान के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक है। इस दौरान व्रतधारी महिलाओं में संध्या सन्तोष अवधिया,कला-मधुसूदन यादव, वन्दना सचिन कुर्वे, साधना मुकेश अवधिया, सीमा राकेश अवधिया,शिवाजी कपिल अवधिया,चांदनी योगेश यादव, सुमन श्याम दुलारे, गायत्री किशोर सोनी, शिल्पा पवन धार्मिक, रेणु तपेश अवधवाल, सोनम रवि दुलारे, कामनी कमल अवधिया, नेहा मनोज भल्लारे, रश्मि - सन्तोष अवधिया बिरन झाडु लाल रोकडे शामिल रहें

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्सअप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिए जगप्रेरणा के मो. 9329033433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

हरछट पर्व पर महिलाओं ने विधि-विधान से किया पूजन

जगप्रेरणा बैहर।

संतान की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना को लेकर बुधवार को हरछट (हलषष्टी) का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने व्रत रखकर घरों में पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने पूजन स्थल पर विधि-विधान से हरछट माता, भगवान बलराम एवं हल-मूसल का पूजन किया। पूजा में विभिन्न प्रकार के अनाज, फल-फूल, धूप-दीप एवं पारंपरिक पूजन सामग्री अर्पित की गई। इसके बाद हरछट की कथा का श्रवण कर आरती की गई और अपनी संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य एवं परिवार की सुख-शांति की कामना की।



पूजन के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। घर-आंगन में पूजा की तैयारियां की गई और पूरे वातावरण में श्रद्धा एवं भक्ति का माहौल नजर आया। मान्यता के अनुसार हरछट का व्रत माताएं अपनी संतान के उज्ज्वल भविष्य और दीर्घायु के लिए रखती हैं।

नौकरी के नाम पर कथित ठगी मामले में नया मोड़, अग्रिम जमानत को न्यायालय पहुंचा सुमित वृषिक..

एफआईआर अब तक दर्ज नहीं, शिकायत की जांच जारी; थाना प्रभारी के बाहर होने से नहीं मिल सकी विस्तृत जानकारी..

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

वारासिवनी में नौकरी दिलाने के नाम पर करीब 90 लाख रुपये की कथित ठगी के मामले में नया मोड़ सामने आया है। शिकायत में नामजद सुमित वृषिक ने गिरफ्तारी की आशंका के बीच न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है।



विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस स्तर पर शिकायत और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच जारी बताई जा रही है।

90 लाख के लेन-देन का दावा

ठाकरे ने आरोप लगाया है कि सरकारी एवं आउटसोर्स नौकरी दिलाने के नाम पर अलग-अलग लोगों से रकम ली गई और कुल लेन-देन करीब 90 लाख रुपये का है। इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। अब न्यायालय और पुलिस जांच पर नजर अग्रिम जमानत आवेदन के बाद मामले की अगली दिशा पर निगाहें टिकी हैं। न्यायालय के रुख के साथ पुलिस जांच में सामने आने वाले तथ्यों से ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

मीडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद मामले को लेकर हलचल तेज हो गई है।

एफआईआर अब तक नहीं

शिकायतकर्ता ब्रजकिशोर ठाकरे की शिकायत पर अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। थाना प्रभारी के बाहर होने के कारण मामले में थाने से

हरछट पर्व पर माताओं ने रखा व्रत, संतान की दीर्घायु और सुख - समृद्धि की कामना..

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि पर बुधवार को हरछट (हलषष्टी/ललही छठ) पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में वारासिवनी के सभी वार्डों में महिलाओं ने यह त्यौहार



विधि विधान से मनाया वारासिवनी के वार्ड नंबर 1में शिव शंकर सोलंकी के निवास स्थल पर महिलाओं ने पारंपरिक विधि-विधान से हरछट माता की पूजा-अर्चना कर अपनी संतान की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना की।

हरछट पर्व भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भगवान बलराम के प्रमुख शस्त्र हल एवं मूसल की पूजा का विशेष महत्व

माना जाता है। माताओं ने श्रद्धापूर्वक व्रत रखकर परिवार की सुख-शांति और संतान के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर श्रीमती सरला कछवाह, श्रीमती ममता सोलंकी, श्रीमती नमिता कछवाह, उमेश्वरी ठाकरे, अनीता नगपुरे, पूनम गोलछा एवं संतोषी ठाकरे सहित अन्य महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजा स्थल पर मिट्टी से निर्मित हरछट माता की प्रतिमा स्थापित कर उसे चुनरी एवं आभूषणों से सजाया गया। प्रतिमा के पीछे पलाश (छूल) एवं महुआ की शाखाएं

और पत्तियां लगाकर पारंपरिक रूप से पूजा स्थल तैयार किया गया।

हरछट माता की प्रतिमा के समक्ष मिट्टी की बेदी, गऊ-बछड़े की आकृति तथा दीप एवं पूजन सामग्री रखकर विधिवत पूजा की गई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गऊ-बछड़े की पूजा सुख-समृद्धि और पशुधन की मंगलकामना का प्रतीक मानी जाती है। महिलाओं ने महुआ एवं तिन्नी (पसाई)

के चावल सहित पारंपरिक पूजन सामग्री का उपयोग किया तथा सामूहिक रूप से हरछट माता की कथा का श्रवण किया।

पूजा-अर्चना के उपरांत माताओं ने अपनी संतान की पीठ पर हल्दी का पोछा लगाकर उन्हें दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखी जीवन का आशीर्वाद दिया। इस दौरान महिलाओं में पर्व को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण रहा। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाए गए हरछट पर्व ने भारतीय संस्कृति, मातृ-भावना और पारिवारिक परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

मरार माली समाज ब्लॉक कटंगी की वार्षिक आमसभा में सामाजिक कुरीतियों पर लगी रोक

जगप्रेरणा कटंगी।

मरार माली समाज ब्लॉक कटंगी की वार्षिक आमसभा 1 सितंबर को ग्राम उमरी कटंगी में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र पर पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

बैठक में ब्लॉक सचिव नंदकिशोर ठाकरे ने वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इसके बाद जिला आमसभा प्रभारी नोकेन्द्र सिंगनदुपे ने जिला आमसभा में पारित एजेंडों की जानकारी दी।

जिला आमसभा में लिए गए निर्णय के अनुसार समाज में विवाह एवं आशीर्वाद समारोह में डीजे व सैंडल बजाने, विवाह से एक दिन पूर्व मेहंदी संगीत करने, सगाई में केक काटने, बारसा में कठड़ी बारात ले जाने, जूता छुगाई एवं विदाई के दिन गाड़ी रोककर पैसा मांगने की प्रथा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है, साथ ही लगन रात्रि 10 बजे तक करना अनिवार्य किया गया है, मृत्यु भोज व मृत्यु के दिन नया कपड़ा ले जाने की प्रथा बंद



की गई है और यह भी निर्णय लिया गया कि अन्य समाज में विवाह व अन्य धर्म मानने पर समाज को आपत्ति नहीं होगी, पर सहयोग न करने पर सामाजिक निर्णय मान्य करना होगा।

बैठक को अध्यक्ष योगेन्द्र मातरे व जिला प्रतिनिधि ज्ञानचंद मातरे ने संबोधित करते हुए कुरीतियों व फिजूलखर्ची को छोड़ समाज के



उत्थान में सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन रूपेन्द्र कांवरे ने किया। इस अवसर पर संरक्षक महेन्द्र बाहेश्वर, खिलेश्वर पंजरिया, प्रेमलाल मानेश्वर, दिलीप खरे, छबि कुमार मरठे, डॉ. उत्तम मानेश्वर, डॉ. तुलसीराम मातरे सहित सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, ग्राम अध्यक्ष व बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

पठार संघर्ष समिति के तत्वावधान में 9 सितंबर को आजनबिहरी में विशाल जनसेवा शिविर.. पठार क्षेत्र में 108 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य, निशुल्क नेत्र व स्वास्थ्य जांच भी होगी..

जगप्रेरणा कटंगी।

पठार संघर्ष समिति के तत्वावधान में आगामी 9 सितंबर, बुधवार को ग्राम पंचायत आजनबिहरी में विशाल जनसेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर को लेकर समिति के पदाधिकारियों और स्थानीय युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पठार संघर्ष समिति के अध्यक्ष दीपक पुष्प तोड़े ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि जनसेवा शिविर का मुख्य उद्देश्य सुदूर पठार अंचल के ग्रामीणों को एक ही स्थान पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा निशुल्क नेत्र जांच, मधुमेह, रक्तचाप एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच की जाएगी। गंभीर रोगियों को जिला अस्पताल के लिए रेफर करने की सुविधा भी रहेगी तथा निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया जाएगा।शिविर का प्रमुख आकर्षण भव्य रक्तदान शिविर रहेगा। समिति ने इस बार 108 यूनिट रक्तदान का संकल्प लिया है। अध्यक्ष ने कहा कि रक्त की कमी से किसी की जान न जाए, इसी सोच के साथ युवाओं को जागरूक किया जा रहा है। दीपक पुष्प तोड़े ने पठार क्षेत्र के सभी ग्रामवासियों, सरपंचों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की है कि सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले इस शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ लें और रक्तदान महादान कर पुण्य अर्जित करें।





एशियन गेम्स के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान, नजमुल हुसैन शांतो की वापसी, लिटन दास संभालेंगे कमान..

डेस्क जगप्रेरणा।
ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक दौर के बाद बांग्लादेश के अनुभवी बल्लेबाज नजमुल हुसैन शांतो एक बार फिर T20 टीम में लौट आए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने जापान के ऐची-नागोया में होने वाले एशियन



गेम्स 2026 के लिए 15 सदस्यीय मजबूत टीम का ऐलान कर दिया है, जिसकी कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास करेंगे। लिटन दास की भी टीम में वापसी हुई है। वह चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू T20 सीरीज में नहीं खेल सके थे, जबकि जिम्बाब्वे दौर के दौरान वह लंका प्रीमियर लीग में व्यस्त थे। उनकी गैरमौजूदगी में तौहीद हदोय ने टीम की कप्तानी की थी। अब हदोय को उपकप्तान बनाया गया है। लिटन की वापसी के बाद विकेटकीपर नुरुल हसन को टीम में जगह नहीं मिली है।

तेज गेंदबाज तस्किन अहमद और अब्दुल

मेडल अपने नाम किया था। एशियन गेम्स क्रिकेट प्रतियोगिता में बांग्लादेश को भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ शीर्ष वरीयता मिली है।

29 सितंबर को पहला मुकाबला..

बांग्लादेश का अभियान क्वार्टर फाइनल से शुरू होगा और टीम 29 सितंबर को पहली बार मैदान पर उतरेगी। भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका को भी सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है। टूर्नामेंट में जापान की चुनौती पेश करेगा। वहीं नेपाल, मलेशिया, हांगकांग, चीन और ओमान ने क्वालिफायर के जरिए प्रतियोगिता में जगह बनाई है।

बांग्लादेश की टीम: लिटन दास (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन एमोन, सैफ हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हदोय (उपकप्तान), मोसादेक हुसैन, यासिर अली चौधरी, रिशाद हुसैन, मेहदी हसन, नसुम अहमद, मोहम्मद सैफुद्दीन, शरीफुल इस्लाम, मुस्तफिज़ुर रहमान और हसन महमूद।

भारत करेगा शुरूआती महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 की मेजबानी..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)
अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी श्रीलंका से छीनकर बुधवार को इसे भारत में आयोजित करने को फैसला किया।



छह टीम का यह टूर्नामेंट 14 से 28 फरवरी 2027 तक मुंबई और वडोदरा में खेला जाएगा। श्रीलंका में क्रिकेट से जुड़े प्रशासनिक विवादों के कारण उससे मेजबानी वापस ले ली गई। आईसीसी बोर्ड ने बुधवार को भारत को नया मेजबान चुना। आईसीसी ने बयान में कहा, 'यह टूर्नामेंट पहले श्रीलंका में होना था, लेकिन अब इसे भारत में आयोजित किया जाएगा क्योंकि श्रीलंका क्रिकेट आईसीसी की जुलाई में हुई वार्षिक बैठक में बताए गए जरूरी सुधारों को अभी पूरा कर रहा है।'

बयान में कहा गया, 'आईसीसी ने नए मेजबान के लिए बांग्लादेश, भारत और दक्षिण

अफ्रीका के नाम पर विचार किया। तय नियमों और मानकों के आधार पर आईसीसी ने भारत को श्रीलंका की जगह नया मेजबान बनाने की सिफारिश की। आईसीसी बोर्ड ने दो सितंबर को इस फैसले को मंजूरी दे दी।'

टूर्नामेंट के मैच मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में दुनिया की छह प्रमुख महिला क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका हिस्सा लेंगी। इन टीम का चयन छह जुलाई की आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर किया गया है। सभी छह टीम पहले

राउंड-रॉबिन लीग में एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। इसके बाद शीर्ष दो टीम 28 फरवरी को फाइनल खेलेंगी। पुरुषों की चैंपियंस ट्रॉफी 50 ओवर के प्रारूप में खेली जाती है। भारत ने पिछले साल महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी भी की थी और भारतीय महिला टीम ने पहली बार यह खिताब जीता था।

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, 'आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 महिला क्रिकेट के लिए एक नए और रोमांचक दौर की शुरुआत होगी। यह इस टूर्नामेंट का पहला टूर्नामेंट होगा जिसमें दुनिया की बेहतरीन टीम एक बड़े और कड़े मुकाबले में हिस्सा लेंगी। इससे इन टीम को अपनी रैंकिंग बेहतर करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाने के लिए और अधिक प्रेरणा मिलेगी।' उन्होंने कहा, 'अब हर साल एक बड़ा आईसीसी महिला टूर्नामेंट आयोजित होगा। इससे महिला क्रिकेट को और बढ़ावा देने, प्रतियोगिताओं में निरंतरता लाने और दुनिया भर की महिला खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों के लिए क्रिकेट को और मजबूत बनाने का अच्छा मौका मिलेगा।'

माधुरी दीक्षित के पति डॉ नेने ने बताया क्यों अनुष्का-विराट ने लंदन में चुना ठिकाना, बोले- हर वक्त लोगों की नजरों में रहना मुश्किल..

डेस्क जगप्रेरणा।
बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपनी निजी जिंदगी को मीडिया की चकाचौध से दूर रखने के लिए जाने जाते हैं। पिछले कुछ समय से यह पावर कपल अपने बच्चों के साथ लंदन में एक सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा है। अब माधुरी दीक्षित के पति डॉ. श्रीराम नेने ने अनुष्का शर्मा के साथ हुई अपनी एक पुरानी और बेहद खास बातचीत का जिक्र करते हुए यह खुलासा किया है कि आखिर इस कपल ने भारत छोड़कर लंदन में बसने का फैसला क्यों लिया।

लंदन शिफ्ट होने की वजह..

मशहूर यूट्यूबर रणवीर अल्लहबादिया के साथ बातचीत के दौरान डॉ श्रीराम नेने ने विराट और अनुष्का के प्रति अपना गहरा सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने विराट की सादगी और विनम्र स्वभाव की सराहना करते हुए बताया कि दोनों भी मिले हैं, विराट हमेशा एक बेहद सुलझे हुए इंसान नजर आए हैं। इसके बाद डॉ. नेने ने उस ऐतिहासिक बातचीत का जिक्र किया, जो उन्होंने अनुष्का शर्मा के साथ की थी। डॉ नेने ने याद करते हुए बताया कि अनुष्का ने उनसे कहा था कि भारत में उन्हें और विराट को अत्यधिक लोकप्रियता और सफलता तो मिली है, लेकिन वे इसका खुलकर आनंद नहीं ले पा रहे हैं। भारत में वे जहां भी जाते हैं, पैपरजी और फैंस का जमावड़ा लग जाता है, जिससे उनकी प्राइवसी खत्म हो जाती है और वे एक तरह से घर में अलग-थलग होकर रह जाते हैं। इसी वजह से दोनों ने लंदन को अपना नया ठिकाना बनाने का विचार किया, ताकि वे आम



इंसानों की तरह जिंदगी जी सकें।

बच्चों को सामान्य बचपन देने की चाहत..

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा दो बच्चों के माता-पिता हैं, बेटी वामिका और बेटा अकाय। यह जोड़ा अपने बच्चों को मीडिया के कैमरों और पब्लिक एक्सपोजर से पूरी तरह दूर रखना चाहता है। उन्होंने अक्सर मीडिया और पैपरजी से भी अपील की है कि वे उनके बच्चों की तस्वीरें न खींचें और न ही उन्हें सोशल मीडिया पर साझा करें। डॉ नेने ने कहा कि विराट और अनुष्का सिर्फ यही चाहते हैं कि उनके बच्चे किसी सेलिब्रिटी प्रेशर के बिना, बेहद सामान्य माहौल में बड़े हों। लंदन में उन्हें वह आजादी और साधारण लाइफ स्टाइल मिलती है, जिसकी भारत में उनके लिए कल्पना करना भी नामुमकिन है। वहां वे बिना किसी अवांछित ध्यान के सड़कों पर टहल सकते हैं और अपने बच्चों के साथ शांत पल बिता सकते हैं।

सेलिब्रिटी लाइफ की चुनौतियां..

खुद बॉलीवुड की 'धक-धक गर्ल' माधुरी

दीक्षित के पति होने के नाते डॉ नेने ने सेलिब्रिटीज की दैनिक समस्याओं को बयां किया।

उन्होंने बताया कि हालांकि वे खुद काफी बिंदास इंसान हैं और फैंस से मिलने में परहेज नहीं करते, लेकिन कई बार जब परिवार के साथ डिनर या लंच कर रहे हों, तब भी लगातार सेल्फी की मांग होना काफी असहज कर देता है। उन्होंने बताया कि अपनी पत्नी माधुरी के लिए भी इस तरह की परिस्थितियों को संभालना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसे में अनुष्का और विराट जैसे कपल के लिए, जो देश की दो सबसे बड़ी इंडस्ट्रीज के शीर्ष पर हैं, हर समय लोगों की नजरों में रहना मानसिक रूप से थका देने वाला होता है।

फिल्मी पर्दे से अनुष्का की दूरी..

अनुष्का शर्मा ने भी पिछले कुछ सालों में अपने एक्टिंग करियर और सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूरी बना ली है। उनकी आखिरी थिएट्रिकल रिलीज 2018 में आई फिल्म 'जीरो' थी, जिसमें वे शाह रुख खान और केंदरीना कैफ के साथ नजर आई थीं। हालांकि उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक 'चकदा एक्सप्रेस' की शूटिंग पूरी कर ली है, जो रिलीज के इंतजार में है। इसके अलावा साल 2022 में उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस 'क्लीन स्लेट फिल्म्स' से भी अपने कदम पीछे खींच लिए थे ताकि वे अपने परिवार को प्राथमिकता दे सकें।

वहीं विराट कोहली भले ही भारतीय क्रिकेट में एक बड़ा नाम बने हुए हैं, लेकिन खेल के मैदान से बाहर वे अपना ज्यादातर समय लंदन में अपने परिवार के साथ ही बिता रहे हैं।

दरियां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेडर्स, शॉल, ब्लैकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताइपेन्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरे, बेड शीट्स के थोक व चिछुर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस

मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200



पिता के निधन पर क्यों हद से ज्यादा उत्साहित थे राम कपूर ? एक्टर ने बयां किया दिल में छिपा राज, बोले- कोई पछतावा नहीं..

डेस्क जगप्रेरणा।

फेमस एक्टर राम कपूर ने हाल ही में अपने पिता अनिल बीली कपूर के निधन और कैंसर से उनके लंबे संघर्ष पर खुलकर बात की है। उन्होंने अपने हालिया रियलिटी शो 'लॉकअप सीजन 2' में एक सीक्रेट रिवील किया था जो उनके पिता से जुड़ा था।



शारीरिक तकलीफों के बीच राम लगातार अपने पिता का सहारा बने रहे।

मृत्यु पर मिली राहत..

राम कपूर ने स्वीकार किया कि उनके पिता के निधन से उन्हें एक प्रकार की राहत महसूस हुई, क्योंकि इससे उनके पिता का असहनीय दर्द हमेशा के लिए समाप्त हो गया था। जहां आम तौर पर किसी प्रियजन के जाने पर इंसान टूट जाता है, वहीं राम कपूर को इस बात का सुकून था कि उनके पिता अब पीड़ा से मुक्त हैं। राम

ने बताया कि उनके पिता ने हमेशा अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जी थी। वे राजाओं की तरह जिए और उनके बेटे की यही कोशिश थी कि उनकी विदाई भी उसी गरिमा के साथ हो। इस अनुभव ने मृत्यु को लेकर राम के नजरिए को पूरी तरह बदल दिया और उनके मन से मौत का डर हमेशा के लिए खत्म हो गया। उन्होंने कहा कि जब पिता की मौत हुई तो वो 'सुपर थ्रिल्ड' यानी हद से ज्यादा उत्साहित थे।

5 सालों से मां और बहन ने बनाई दूरी..

पिता की अंतिम इच्छा पूरी करने का राम कपूर को बड़ा व्यक्तिगत नुकसान सहना पड़ा। इस फैसले के कारण उनके अपने परिवार से गहरी दूरार आ गई। राम ने खुलासा किया कि उनकी मां और बहन ने उनसे पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से बातचीत बंद कर रखी है। परिवार को उनके पिता की इस अंतिम इच्छा के बारे में उनके निधन के बाद ही पता चला था। इस पारिवारिक दूरी और तनाव के बावजूद, राम कपूर को अपने फैसले पर कोई पछतावा नहीं है। उनका मानना है कि पिता के अंतिम पलों में उनके साथ खड़े रहना और उनकी इच्छा पूरी करना एक संतान के रूप में उनका सबसे बड़ा कर्तव्य था, जिसे उन्होंने पूरी निष्ठा से निभाया।

किदांबी श्रीकांत ने चाइना मास्टर्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पक्की की जगह, लक्ष्य सेन पहले दौर से ही हुए बाहर...

डेस्क जगप्रेरणा।

चीन के शेनझेन में चल रहे चाइना मास्टर्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों की काफी मिली-जुली शुरुआत देखने को मिली है, जिसमें किदांबी श्रीकांत ने जहां पहले राउंड में जीत हासिल करने के साथ



युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रान्स्टो ने भी टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की है।

जिसमें वह थाईलैंड की टोनाकोर्न साएहंग और टोनिचा साएहंग को जोड़ी को 21-8 और 21-9 के अंतर के मात देने के साथ अगले राउंड का टिकट यह जोड़ी हासिल करने में कामयाब हो गई है।

लक्ष्य सेन की गलतियां पड़ गईं उनपर भारी..

भारतीय स्टार बैडमिंटन प्लेयर लक्ष्य सेन से चाइना मास्टर्स 2026 में सभी को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन पहले राउंड में कनाडा के खिलाड़ी के खिलाफ उनकी लगातार गलतियां उनपर भारी पड़ गईं। लक्ष्य सेन को कनाडा के विक्टर लाई के खिलाफ पहले सेट में जहां 14-21 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा तो वहीं 38 मिनटों तक चले इस मुकाबले के दूसरे सेट में लक्ष्य पूरी तरह से आउट ऑफ फॉर्म दिखे और उसमें उनकी 21-7 के बड़े अंतर से हार मिलने के साथ टूर्नामेंट में उनका सफर खत्म हो गया।

प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह

को पक्का कर लिया है तो वहीं लक्ष्य सेन को हार का सामना करना पड़ा है। किदांबी श्रीकांत ने चीनी ताइपे के खिलाड़ी ची यू जेन से पहले सेट को 21-16 के अंतर से अपने नाम किया था। वहीं इसके बाद दूसरे सेट में भी किदांबी ने अपने दबदबे को बरकरार रखते हुए 21-15 के अंतर से जीतने के साथ अपनी जगह प्री-क्वार्टर फाइनल में पक्की कर ली। किदांबी के अलावा 17 साल की तन्वी शर्मा भी अगले राउंड के लिए अपनी जगह पक्की करने में कामयाब हो गई हैं जिसमें उन्होंने डेनमार्क की अमाइला स्कल्ज के खिलाफ दो सेटों तक चले मैच को 21-16 और 21-17 के अंतर से जीता। भारत की मिश्रित

मिजोरम में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और बुनियादी ढांचे के लिए मदद का आश्वासन दिया मांडविया ने..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मिजोरम में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों, विशेषकर मुक्केबाजों के सामने आने वाली बुनियादी ढांचे से जुड़ी समस्याओं के समाधान में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इकाई ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान के अनुसार मांडविया ने मंगलवार को नया दिल्ली में प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष रॉबिन्सन माल्सावमटलुआंगा हमार और उपाध्यक्ष एच माल्सावमटलुआंगा के साथ बैठक के दौरान



यह आश्वासन दिया। हमार ने केंद्रीय मंत्री से मिजो युवाओं को खेलों में अधिक सहयोग और अवसर उपलब्ध कराने तथा सुविधाओं में सुधार की अपील की जिससे कि राज्य के अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। बयान के मुताबिक हमार ने मांडविया को बताया कि मिजोरम में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और भारत की एच माल्सावमटलुआंगा के साथ बैठक के दौरान

प्रस्तावित दावे को देखते हुए राज्य में आधुनिक खेल बुनियादी ढांचे की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने राज्य में मुक्केबाजी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए केंद्र से सहायता मांगी जिसमें एक बड़े और आधुनिक मुक्केबाजी हॉल का निर्माण भी शामिल है। बयान में कहा गया कि मांडविया ने भाजपा नेताओं को आश्वासन दिया कि मिजोरम में खेलों को बढ़ावा देने और राज्य के युवा खिलाड़ियों को समर्थन देने के लिए हरसंभव सहायता दी जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह मिजोरम मुक्केबाजी संघ की समस्याओं के समाधान के लिए भारतीय मुक्केबाजी संघ से तत्काल कदम उठाने को कहेंगे। मांडविया ने कहा कि वह मिजो युवाओं में मौजूद खेल प्रतिभा से अवगत हैं और केंद्र पूर्वोत्तर, विशेषकर मिजोरम के युवाओं को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433



दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

बेरोजगारी की समस्या : अवसरों की कमी नहीं, सोच और कौशल की जरूरत..

आज भारत के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं, लेकिन उनमें बेरोजगारी एक ऐसी समस्या है जो सीधे देश के युवाओं के भविष्य से जुड़ी हुई है। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। हमारे पास विशाल युवा शक्ति है, प्रतिभा है, ऊर्जा है और आगे बढ़ने का जुनून भी है। फिर भी बड़ी संख्या में युवा स्वयं को बेरोजगार मानते हैं। अखिर ऐसा क्यों है? क्या वास्तव में हमारे देश में रोजगार के अवसरों की कमी है, या फिर हमारी सोच रोजगार के सीमित साधनों तक सिमट गई है?

बेरोजगारी की चर्चा करते समय हमें सबसे पहले अपनी मानसिकता पर विचार करना होगा। आज भी हमारे समाज में बड़ी संख्या में युवा सरकारी नौकरी को ही रोजगार का सबसे सुरक्षित और सम्मानजनक साधन मानते हैं। डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, व्यवसायी, किसान, उद्यमी, तकनीकी विशेषज्ञ, कलाकार, डिजिटल प्रोफेशनल, दुकानदार या सेवा प्रदाता बनने की संभावनाओं के बावजूद बहुत से युवाओं की पहली और अंतिम मंजिल सरकारी नौकरी ही होती है। परिणाम यह होता है कि हजारों-लाखों युवा सीमित सरकारी पदों के लिए वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते रहते हैं और नौकरी न मिलने पर स्वयं को बेरोजगार घोषित कर देते हैं।

रोजगार का अर्थ केवल नौकरी पाना नहीं है। रोजगार का अर्थ है अपनी क्षमता और कौशल का उपयोग करके सम्मानपूर्वक आय अर्जित करना। यदि कोई युवा अपना छोटा व्यवसाय शुरू करता है, खेती को आधुनिक तरीके से करता है, ऑनलाइन काम करता है, कोई तकनीकी सेवा देता है, दुकान चलाता है, डेयरी, पोल्ट्री या खाद्य प्रसंस्करण का काम करता है, तो वह भी रोजगार ही है। बल्कि जब वह अपने साथ दूसरे व्यक्ति को भी काम देता है, तब वह केवल रोजगार पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन जाता है।

भारत जैसे विशाल देश में अवसरों की कोई कमी नहीं है। हमारे पास विशाल बाजार है, प्राकृतिक संसाधन हैं, कृषि है, पर्यटन है, तकनीक है, डिजिटल अर्थव्यवस्था है और करोड़ों उपभोक्ता हैं। आवश्यकता है तो केवल अवसरों को पहचानने, कौशल विकसित करने और जोखिम उठाने के साहस की।

दूसरी महत्वपूर्ण समस्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और युवाओं की शिक्षा के प्रति गंभीरता से जुड़ी हुई है। हमें यह स्वीकार करना

होगा कि केवल डिग्री प्राप्त कर लेना शिक्षा का प्रमाण नहीं है। आज कई युवा वर्षों तक कॉलेज और विश्वविद्यालय में पढ़ाई करते हैं, लेकिन उनके पास वास्तविक जीवन में काम आने वाला पर्याप्त ज्ञान और कौशल नहीं होता। केवल कागज पर डिग्री होना और वास्तव में किसी कार्य को करने में सक्षम होना—दो अलग-अलग बातें हैं।

यदि कोई विद्यार्थी स्कूल और कॉलेज के समय पढ़ाई को गंभीरता से नहीं लेता, कक्षाओं में नियमित नहीं रहता, विषयों को समझने का प्रयास नहीं करता और किसी तरह परीक्षा पास करके डिग्री प्राप्त कर लेता है, तो बाद में रोजगार के बाजार में कठिनाई होना स्वाभाविक है। आज के समय में केवल डिग्री नहीं, बल्कि स्किल, ज्ञान, अनुशासन, संचार क्षमता, तकनीकी दक्षता और समस्या का समाधान करने की क्षमता महत्वपूर्ण है।

इसलिए युवाओं को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं है। शिक्षा स्वयं को योग्य बनाने का माध्यम है। एक कहावत है—शिकायत वही करता है जो कुछ नहीं करता, जो कुछ करता है वह रास्ता खोजता है।+ इस विचार को आज के युवाओं को समझने की आवश्यकता है। परिस्थितियाँ कठिन हो सकती हैं, लेकिन कठिन परिस्थितियाँ व्यक्ति को रोकने के बजाय उसे मजबूत भी बना सकती हैं। यदि एक रास्ता बंद है तो दूसरा रास्ता तलाशना चाहिए।

सरकारी नौकरी की तैयारी करना गलत नहीं है। सरकारी सेवाओं में जाना एक सम्मानजनक लक्ष्य है और देश को योग्य सरकारी कर्मचारियों की आवश्यकता भी है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब युवा सरकारी नौकरी को ही जीवन का एकमात्र विकल्प मान लेता है। यदि कई वर्षों की तैयारी के बाद सफलता नहीं मिलती, तो व्यक्ति को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। अपने कौशल को पहचानना चाहिए और वैकल्पिक रोजगार या स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

आज सरकार और विभिन्न संस्थाओं द्वारा युवाओं के लिए अनेक प्रकार की योजनाएँ, प्रशिक्षण कार्यक्रम, ऋण सुविधाएँ, स्टार्टअप सहायता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। लेकिन किसी भी योजना का लाभ तभी मिल सकता है जब युवा स्वयं आगे बढ़कर जानकारी प्राप्त करें, प्रशिक्षण ले और अवसर का उपयोग करें। सिरफ्योजना बन जाने

से जीवन नहीं बदलता; योजना का सही उपयोग करने से जीवन बदलता है।

हमें अपने युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, अवसर पैदा करने वाला बनाने की आवश्यकता है।

एक युवा यदि छोटी-सी दुकान शुरू करता है, ऑनलाइन सेवा शुरू करता है, कृषि में नई तकनीक अपनाता है, स्थानीय उत्पाद बनाकर बेचता है या कोई नया व्यवसाय शुरू करता है, तो शुरूआत छोटी हो सकती है, लेकिन भविष्य बड़ा हो सकता है। दुनिया के अनेक बड़े व्यवसाय छोटे स्तर से शुरू हुए हैं। सफलता के लिए शुरूआत का बड़ा होना आवश्यक नहीं, बल्कि शुरूआत का होना आवश्यक है।

लेकिन स्वरोजगार का अर्थ बिना तैयारी के कोई भी काम शुरू कर देना नहीं है। इसके लिए बाजार को समझना, कौशल सीखना, आर्थिक योजना बनाना, ग्राहक की जरूरत पहचानना और लगातार मेहनत करना जरूरी है। मेहनत के साथ सही दिशा और कौशल जुड़ जाए तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

युवाओं को यह भी समझना चाहिए कि सफलता रातों-रात नहीं मिलती। सरकारी नौकरी हो या निजी क्षेत्र, व्यवसाय हो या स्वरोजगार—हर क्षेत्र में मेहनत, धैर्य और निरंतर सीखने की आवश्यकता होती है। जो विद्यार्थी रात-दिन मेहनत करता है, अपने विषय को समझता है, अपनी कमजोरियों पर काम करता है और लगातार स्वयं को बेहतर बनाता है, उसके लिए अवसरों के दरवाजे खुलते जाते हैं।

आज कंपनियाँ भी ऐसे युवाओं की तलाश करती हैं जिनके पास केवल प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि वास्तविक कौशल और कार्यक्षमता हो। इसलिए युवा अपने समय का उपयोग सोशल मीडिया और निरर्थक गतिविधियों में करने के बजाय नई भाषा, कंप्यूटर, डिजिटल तकनीक, संचार कौशल, वित्तीय ज्ञान, तकनीकी प्रशिक्षण या किसी व्यावसायिक कौशल को सीखने में करें।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग है। यदि यही युवा आत्मनिर्भर बनने का संकल्प ले लें, तो भारत की आर्थिक शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। एक युवा स्वयं रोजगार प्राप्त करता है तो एक परिवार मजबूत होता है; लेकिन वही युवा दो-चार लोगों को रोजगार देता है तो पूरा समाज मजबूत होता है।

इसलिए बेरोजगारी की समस्या का

समाधान केवल सरकारी नौकरियों की संख्या बढ़ाने में नहीं है। समाधान का एक बड़ा हिस्सा मानसिकता बदलने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और स्वरोजगार को सम्मान देने में है।

हमें अपने बच्चों को बचपन से यह सिखाना होगा कि जीवन में केवल नौकरी पाना ही सफलता नहीं है। सफल वह भी है जो अपने पैरों पर खड़ा होता है, अपने परिवार का सहारा बनाता है, ईमानदारी से कमाता है और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करता है।

भारत के पास जनशक्ति है, बाजार है, प्रतिभा है और संभावनाएँ हैं। जरूरत है उस ऊर्जा को सही दिशा देने की।

बेरोजगारी की कतार में खड़े होने के बजाय अवसरों की तलाश कीजिए। नौकरी की प्रतीक्षा करने के साथ-साथ अपना काम शुरू करने का साहस कीजिए। डिग्री के साथ कौशल हासिल कीजिए। शिकायत करने के बजाय प्रयास कीजिए।

क्योंकि भारत का विकसित राष्ट्र बनने का सपना केवल सरकारों के प्रयास से पूरा नहीं होगा। इसमें देश के प्रत्येक युवा की भूमिका होगी।

जिस दिन भारत का युवा नौकरी खोजने के साथ-साथ नौकरी पैदा करने के बारे में सोचना शुरू कर देगा, उस दिन भारत की विकास यात्रा को नई गति मिलेगी।

जज्बा हो, मेहनत हो, कौशल हो और कुछ कर जुगरने की इच्छा हो—तो अवसरों की कमी कभी नहीं होती।

लेखक



हरीश नाग
चांगोलेला, बालाघाट

पहचान लिया है

पहचान लिया है, तुम्हारी सांसें से.. मेरी धडकनों ने तुम्हें। साथ जो तुम्हारे.. गुजरे है, याद आते है.. सारे लम्हें॥

दिल मानता ही नही.. कि, तुम जा चुके हो मुझे छोड़कर। साथ ढलते सूरज के.. लौट आता हूँ, हर शाम उसी किनारे पर।।

रखकर अपना सर.. बाहों में बाहे डाल, जहाँ मेरे कांधे पर तुम। करके इशारा.. आसमां की ओर, दिखाती सितारे टिमटिमाते मुझे.. अपनी आंखो से तुम।।

फिर अब क्यों पहचानने से मुझे, नकार रहे हो तुम। सच है क्या यह.. अब कुछ भी याद नहीं तुम्हें। पहचान लिया है, तुम्हारी सांसें से.. धडकनों ने मेरी तुम्हें। पहचान लिया है, तुम्हारी सांसें से.. धडकनों ने मेरी तुम्हें।

शुभम.. प्रणेता
एक कलम,
हरदा (मांदला)
मध्यप्रदेश

अच्छे दिन का सपना जैसे टूट गया

अच्छे दिन का सपना जैसे टूट गया ऊपर वाला जैसे की अब रुठ गया बढ़ी महंगाई तेलों के है दाम बढ़े आम आदमी जैसे की अब लूट गया

अच्छे दिन का.. नेताओं के भाषण सारे झूठे है ख्वाब हमारे सारे ही अब टूटे है कमर हमारी टूटी है जेबें भी ढीली है भाग्य हमारे जैसे की अब फूटे हैं अच्छे दिन का..

महंगी शिक्षा बच्चे पढ़ाना मुश्किल है अब समझे उनको बढ़ाना मुश्किल है देख के अब हालात रोना आ जाता है हॉस्पिटल दवा के खर्च उठाना मुश्किल है अच्छे दिन का..

आमदानी से खर्चा अब तो ज्यादा है शोषण का ही चर्चा अब तो ज्यादा है आम आदमी मरे यहाँ पर नेताओं का जलवा है बड़े लोगो का दर्जा अब तो ज्यादा है

अच्छे दिन का.. अच्छे दिन का सपना जैसे टूट गया ऊपर वाला जैसे की अब रुठ गया बढ़ी महंगाई तेलों के हैं दाम बढ़े आम आदमी जैसे की अब लूट गया



किशोर छिपेश्वर
'सागर', बालाघाट

आज की डेट में..

डालर के बराबर रुपया के टारगेट में कर क्या रहे हैं साहब आज की डेट में।

तेल का पाउच और दारू का पत्वा दोनों भी मिल रहे है एक ही रेट में।

रोजगार शिक्षा जैसी समस्याएं कई हैं, पर हिन्दू मुस्लिम ही हो रहा डिबेट में।

देश का चैनोअमन भी खाकर बैठेंगे कई भाईचारा पचा गये है नेता पेट में।

पक्ष-विपक्ष दिखते एक-दुजे के विरोधी पर देश खा रहे दोनों भी एक प्लेट में।

नेता मौज कर रहे फ़इव स्टार होटलों में जवान सीमा पर किसान मर रहा खेत में।

विश्वगुरु के चक्कर में गुरु घंटाल हो गये जाने क्या बिकने का है और टारगेट में।

कैसे होगा उस देश का भला बताओ तो जहां पर बिकता हो ईमान सरस्ते रेट में।



संजय अशक
पुलपुष्टा, बालाघाट
9753633830

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनो के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप से जोड़ा जा सकता है।

शब्दवर्गपहेली क्र.- 261

1	2	3		4	5		6		7	8	9	10		11	12		13		14	15	16
17			18				19	20				21		22					23		
			24		25		26				27		28	29					30		
31				32					33	34		35						36			37
				38			39	40				41				42					
43	44				45						46		47		48			49	50		
	51				52					53				54	55	56					
57						58		59					60						61		
62			63		64		65					66			67		68				
	69	70					71		72	73		74	75							76	
77		78									79		80				81		82		
83	84							85		86			87	88		89		90			
91				92			93		94			95				96	97				
				98			99	100		101				102	103				104	105	
106		107				108				109				110						111	
112				113							114			115			116				

क;।।nk;।:-1) पार्वती 4) बच्चों का सा (व्यवहार) 7) पूजा, आराधना11) द्रौपदी के पिता 14) उत्तराव्रतत्पत्र 17) खून पीने की क्रिया 19) मन मुताबिक भला बुरा काम करना 22) मुक्ति 23) सूजी 24) दिवाली का एक दिन 27) कण 28) मिठाईयां बनानेवाला 30) पिता का भाई 31) बचाव 34) जंगल का राजा 33) विवश 35) एक विशालकाय वृक्ष 36) भ्रमण, यात्रा 38) साथ में रहने की क्रिया 40) छल 41) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का जन्म स्थान 42) उड़ीसा का एक प्रसिद्ध शहर 43) सोने का बना हुआ, अच्छा (मौका) 45) कटाक्ष 46) पत्नी गिरने की क्रिया 47) कल्याण 49) गायब 51) श्रीगणेशजी का एक नाम 53) पाकिस्तान का एक शहर 54) ओछापन 57) पहनने का एक वस्त्र 59) अपरिचित 60) सुष्टीकर्ता, ब्रम्हा 61) जानवर 62) श्रीराम के एक पुत्र 63) हड़बड़ाने

क्रिया 66) श्रीकृष्ण का एक नाम 67) विलाप करना 69) धूल के रंग का 71) आगे बढ़ना 73) हाथ 74) उत्तर प्रदेश की एक प्रसिद्ध नदी 78) इस फिल्म में सुनील दत्तने नरगीस के बेटे की भूमिका अदा की थी। 79) माला 81) दुष्ट, शरास्त्री 83) पापी मनुष्य 85) गाय 86) एक पक्षी 87) बी. आर. चोपड़ा राजकुमार, सुनील दत्त और विष्मि अभिनीत एक हिट फिल्म 90) कलम से लिपीबद्ध करना 91) मार, तौल 92) अनुचित, अवैध 94) नरक में भोगी जानेवाली असहनीय पीड़ा 93) पात्र 98) दास 99) मृत्यु देवता 101) जनानखाना 102) व्यायाम 104) लज्जा 106) वह स्थान जहां (केश) काटने की क्रिया होती है।108) सौंपना 110) सीमा 111) पैर के नीचे का भाग 112) मिश्र मांगना, साधुता (उर्दू) 113) भगवान, विधाता 114) युद्ध 115) कोष 116) स्तुति,

प्रार्थना

Āij ।। ulpt&1) गुजरात का एक प्रसिद्ध पहाड़ 2) खाली 3) एक प्रसिद्ध उद्योगप्रधान देश 5) चमचा 6) नपुंसक 7) पार्वती 8) लाक्षणिक दृष्टी से इज्जतदार 9) समर्थ होना 10) नरसंबंधी 12) निंदा, शिकायत 13) दस का मान 15) मारने काटने की क्रिया 16) नालिश 18) हमारे एक भूतपूर्व प्रधानमंत्री 20) मादकता 21) सिंह 25) कॉफी,, एक पेय 26) एक राशी 29) करीब करीब 30) क्रिया कलाप 34) एक चटपटा पदार्थ 35) पुत्र वधू 36) कपड़ा, पर्दा 37) विनय 38) आसानी 39) हमारे क्रिकेट के एक भूतपूर्व कप्तान का नाम 40) आवरण, बख्तर 41) स्वार्थी 44) दरबार में नाचने गानेवाली 46) पवित्रता 47) थोक बिक्री का स्थान, हाट 48) ढंग 50) पानी मिलने से हराभरा होना, रोग से मुक्त होकर स्वस्थ होना 52) हिस्त्र पशुओं की चिल्लाने की क्रिया 53) शासन, गुप्त भेद 55) किसी चीज को पकड़ने के लिये शीघ्रतासे आगे बढ़ना 56) हत्थारा 57) वंश 58) सख्त 59) अड़िग 60) कयामत 63) हमेशा 64) दुर्व्यवस्था 65) दूर किया, अलग किया 66) गोघृणि 68) पैरों से रौंधे हुये 70) बहू की मां 72) ठिंगना 73) आश्चर्य युक्त कोई काम करना 75) एक किस्म का अभिवादन, प्रणाम (उर्दू) 76) जिससे प्रेम हो, (उर्दू) 77) राक्षस 80) आराम, सुख 82) हिन्दी के एक पुराने कवि जिनका कुल नाम चतुर्वेदी था 84) राज दरबार में नाचनेवाली नर्तकी 86) वस्त्र हरण 88) रोकना 89) मजबूत 92) अयोग्य 93) भारत का गुलाबी शहर 95) तीन घंटे का समय, प्रहर97) लिप्त 98) फूल (उर्दू) 100) पुरुष 103) सहित, संग 105) युवा 106) श्लेष्मा, बलगम 107) स्त्री 108) पुत्री 109) हस्त, शुल्क 110) दंड 111) शरीर (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

इ	जा	ज	त		द	र	अ	स	ल		आ	ट	ल	बि	हा	री	वा	ज	पे	यी
त	य	ग	झ	र		प	खा	व	ज		गा	ना		ता	ज		ट			
र	ज	वा	झ		का	लि	मा		ली		आ	ई	ना		अ	प	रा	धी		इ
त्र		यु		मा	र		न	वी	न			मा		या	प	न		व	र	ना
	मा	या	पु	री		ना	ज			म	द	न		म	ना		म	र	ह	म
ज	ल	न		च	तु	रा	न	न		सू	र	दा	स		प	व	न		म	
मा	दा		वि		ला	य	क		का	र		र	म	जा	न		न	ई	दि	ल्ली
न	र	पि	शा	च		ण		जा	ली	दा	र		ता	न		रो	मा	ल		
त		ला	ल	कि	ला		क	ल	क	ल		स्व		व	न	ग	म	न		कै
दा	ब	ना		त	र	स	ना		ट		प्र	भा	क	र		सा	दा			
र	द		ना		ट	म	ट	म		भ	ग	व	न		शा	दी		री	झ	ना
	का	र्य	क	ला	प		स	हा	नु	नू	ति			च	क	म	क		ल	ग
नी	र		र	ज	क		क		मा	त		आ	च	ल		क	म	ला	क	र
ल		न	ग		ना	पा	स		इ		वे	त	र	ती	ब		स	प	ना	
म	न	मा	ड़		पी		कि	श	मि	श		वा		ना	जु	क	ता		ची	
णि		ज	ना	ई	न		शि	ला		ल	क	ड़	हा	रा		दा	म		ध	नी



भारी बारिश में भीगे अतिथि शिक्षक, हलषष्ठी पर निकाली विशाल रैली बोले - मुख्यमंत्री का पत्र, शिवराज की घोषणा और शिक्षामंत्री का आश्वासन, तीनों का एक ही सच; अब आश्वासन नहीं, आदेश चाहिए

हैमंत नायक, जगप्रेरणा मंडला ।

हलषष्ठी पर्व के दिन बुधवार को मंडला जिला मुख्यालय में अतिथि शिक्षकों का आंदोलन बारिश के बीच जोरदार रूप में सामने आया। रात से हो रही लगातार बारिश के बावजूद सैकड़ों अतिथि

शिक्षक शहर की प्रमुख गलियों से होते हुए विशाल रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां धरना-प्रदर्शन और सभा आयोजित की गई। महिला अतिथि शिक्षक उपवास की स्थिति में भी आंदोलन में शामिल हुईं। धरना स्थल के समीप महिला अतिथि शिक्षकों ने विधि-विधान से हलषष्ठी पूजा-अर्चना कर सरकार से शीघ्र स्थायी रोजगार की मांग की। उन्होंने सरकार को सद्बुद्धि देने और अतिथि शिक्षकों के भविष्य से जुड़े वादों को पूरा करने की प्रार्थना की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में ज्योतिरादित्य सिंधिया, कमलनाथ, शिवराज सिंह चौहान और राव उदय प्रताप सिंह के पूर्व वादों से जुड़ी तस्खियां थीं। प्रदर्शन के दौरान मुख्य सवाल यही रहा—आखिर सरकारी नौकरी कब मिलेगी?

स्थानीय समस्याओं को लेकर सहायक आयुक्त से जवाब-तलब

अतिथि शिक्षकों के आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले रैली के साथ सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय पहुंचे। उन्होंने जिले में अतिथि शिक्षकों की भर्ती में कथित गड़बड़ियों, स्कोर कार्ड में अनुभव अंक की कटौती, मानदेय में देरी, भुगतान में कथित मनमानी कटौती तथा भर्ती प्रक्रिया की विसंगतियों को लेकर सहायक आयुक्त अरुण शुक्ला से चर्चा की। डॉ. मर्सकोले ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में देरी का सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। उन्होंने जिलेभर से कार्यालय में प्राप्त आवेदनों का एक सप्ताह के भीतर निराकरण करने तथा लंबित मामलों में तत्काल कार्रवाई की मांग की। बताया गया कि सहायक आयुक्त ने भी एक सप्ताह में प्रकरणों का निराकरण करने का आश्वासन दिया है।



चार बड़े वादे, एक ही इंतजार - स्थायी रोजगार

धरना स्थल पर अतिथि शिक्षकों ने सरकार को पूर्व में किए गए वादों और आश्वासनों की याद दिलाई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पत्र

अतिथि शिक्षकों ने कहा कि 15 मार्च 2018 को तत्कालीन विधायक डॉ. मोहन यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को पत्र लिखकर अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण का समर्थन किया था। अब वे स्वयं प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। शिक्षकों का कहना है कि जिस मांग का समर्थन उन्होंने उस समय किया था, उसे अब सरकार के स्तर पर पूरा किया जाना चाहिए।

2 सितंबर 2023 की घोषणा

अतिथि शिक्षकों ने 2 सितंबर 2023 को भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित अतिथि शिक्षक महापंचायत का हवाला देते हुए कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 12 माह का मानदेय, 62 वर्ष तक रोजगार और पदों को रिक नही मानने सहित कई घोषणाएं की थीं। शिक्षकों का कहना है कि घोषणा को दो वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन उनकी प्रमुख मांगें अब भी लंबित हैं।



शिक्षामंत्री का हालिया आश्वासन

प्रदर्शनकारियों ने शिक्षामंत्री राव उदय प्रताप सिंह के हालिया आश्वासन का भी उल्लेख किया। उनका कहना है कि शिक्षामंत्री ने अतिथि शिक्षकों के साथ त्याग करने और उनके अनुभव को ध्यान में रखते हुए स्थायी नीति पर विचार करने की बात कही है। शिक्षकों ने कहा कि अब उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस सरकारी आदेश चाहिए। इसके अलावा अतिथि शिक्षकों ने ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा पूर्व में दिए गए समर्थन और वादों का भी उल्लेख किया।

बारिश के बीच हलषष्ठी पूजा, भावुक हुई महिला शिक्षक

आंदोलन के दौरान सबसे भावुक दृश्य उस समय सामने आया, जब हलषष्ठी का व्रत रखने वाली महिला अतिथि शिक्षकों ने तेज बारिश के बीच धरना स्थल पर ही पूजा-अर्चना की। बारिश में भीगे कपड़ों के बावजूद महिलाओं ने अपने बच्चों की लंबी उम्र, परिवार की खुशहाली और अपने रोजगार के लिए प्रार्थना की।

एक महिला अतिथि शिक्षक ने भावुक होकर कहा कि वह हर वर्ष अपने बच्चे के लिए हलषष्ठी का व्रत रखती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने बच्चे के भविष्य और रोजगार के लिए भी संघर्ष का संकल्प लिया है।

नारों के साथ शहर में निकली विशाल रैली

अतिथि शिक्षकों ने +अनुभव सत्रानुसार अंक देना होगा+, +मुख्यमंत्री जी अपना पत्र याद करो+ और +2 सितंबर का वादा पूरा करो+ जैसे नारों के साथ शहर में रैली निकाली। रैली कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां मुख्यमंत्री के नाम ध्यानाकर्षण प्रस्ताव तथा स्थानीय समस्याओं से संबंधित अलग-अलग ज्ञापन कलेक्टर और सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को सौंप गए।

ये रहीं प्रमुख मांगें

अतिथि शिक्षकों ने सरकार से 12 माह और 62 वर्ष की स्थायी नीति लागू करने, वर्ग-3 के लिए 20 हजार, वर्ग-2 के लिए 28 हजार और वर्ग-1 के लिए 36 हजार रुपए मासिक मानदेय निर्धारित करने की मांग की।

इसके साथ ही प्रत्येक सत्र के अनुसार 10 अंक बोनस, गुरुजी की तर्ज पर विभागीय परीक्षा लेकर नियमितीकरण, पदों को रिक्त नहीं मानने, अपात्रों को पात्र बनाने, पात्र अतिथि शिक्षकों को शिक्षक बनाने, प्रत्येक माह की 5 तारीख तक मानदेय भुगतान, स्कोर कार्ड में अनुभव अंक जोड़ने तथा लंबित मानदेय का भुगतान करने की मांग भी प्रमुख रही।

आंदोलन होगा आर-पार का— पी.डी. खैरवार

जिला अध्यक्ष पी.डी. खैरवार ने कहा कि हलषष्ठी के दिन भारी बारिश के बावजूद अतिथि शिक्षकों की बड़ी संख्या में मौजूदगी यह बताती है कि उनका संघर्ष कितना गंभीर है। उन्होंने कहा कि उनके पास मुख्यमंत्री का पूर्व पत्र, 2 सितंबर 2023 की घोषणा और शिक्षामंत्री का हालिया आश्वासन मौजूद है। यदि इसके बावजूद सरकार ने उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। अतिथि शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि अब वे केवल आश्वासनों के भरोसे नहीं रहना चाहते, बल्कि अपने भविष्य को लेकर ठोस नीति और सरकारी आदेश की मांग कर रहे हैं।

भारी वाहन चालकों को प्रशिक्षित करने की जरूरत: गडकरी..

नई दिल्ली, (भाषा)।
केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को भारी वाहनों और निर्माण उपकरणों के चालकों को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करने की तत्काल आवश्यकता बतायी।



उन्होंने कहा कि देश में फ्लहाल ऐसे प्रशिक्षण के लिए कोई अनिवार्य प्रावधान नहीं है। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, “बड़ी संख्या में चालकों को वाहन चलाने के बारे में शिक्षित करने की जरूरत है। यह महत्वपूर्ण है। खासकर भारी वाहनों और निर्माण उपकरणों के लिए जहां प्रशिक्षण का कोई प्रावधान नहीं है।”

मंत्री ने कहा कि उन्होंने जेसीबी इंडिया समेत प्रमुख निर्माण उपकरण विनिर्माताओं से ऐसे चालकों के लिए औपचारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, “मैंने जेसीबी और अन्य कंपनियों से पहले ही अनुरोध किया है कि उन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना चाहिए। अपने उपकरण बेचने से पहले चालकों को प्रशिक्षण देना चाहिए। यह बहुत महत्वपूर्ण है।”

गडकरी ने कहा कि सरकार सड़क परिवहन और निर्माण क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों में जागरूकता बढ़ाने के लिए काम कर रही है, ताकि सुरक्षा और कामकाज की दक्षता में सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा, “मुझे खुशी है कि अब हम लगातार संबंधित पक्षों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे हम इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।”

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सुरक्षा मानकों को कड़ा करने, उन्नत चालक सहायता प्रणालियों को अनिवार्य बनाने और वाणिज्यिक तथा भारी वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को कम करने पर जोर दे रहा है।

गडकरी ने कहा कि देश में दोपहिया वाहन सवारों की मौत का आंकड़ा 81,780 रहा, जो दुनिया में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करने के कारण 14,466 लोगों की मौत हुई, जबकि दुर्घटना के बाद वाहन लेकर भाग जाने के मामलों में 34,030 लोगों की जान गई। मंत्री ने कहा कि गलत दिशा में वाहन चलाना, नशे में वाहन चलाना और वाहन चलाते समय मोबाइल फ़ोन का उपयोग करना भी दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में शामिल हैं।

रुपया 22 पैसे की बढ़त के साथ 94.73 प्रति डॉलर पर..

मुंबई, (भाषा)।
कमजोर घरेलू शेयर बाजार तथा कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती रहने के बावजूद विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ने से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को कारोबार के अंत में डॉलर के मुकाबले रुपया 22 पैसे की मजबूती के साथ 94.73 पर बंद हुआ।



विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये की गिरावट पर नजर रख रहा है, क्योंकि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत बढ़कर 95 डॉलर प्रति बैरल हो गई है और अमेरिका-ईरान तनाव फिर बढ़ने से बाजार में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के बीच डॉलर सूचकांक 99.80 के आसपास बना हुआ है।

अमेरिका के उम्मीद से कमजोर आर्थिक आंकड़ों के बाद 10-साल के अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल के 4.8 प्रतिशत से ऊपर जाने डू जो जनवरी 2025 के बाद सबसे ज्यादा है डू से निवेशकों की धारणा पर भी असर पड़ा।

अंतर्बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.97 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.73 के ऊंचे और 94.99 के निचले स्तर तक गया। कारोबार के अंत में रुपया 94.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की तेजी है।

एलकेपी सिन्क्योरीटीज के उपाध्यक्ष, शोध विश्लेषक (जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा कि रुपया मजबूत हुआ है, क्योंकि रिजर्व बैंक के दखल और एफआईआई की हल्की खरीदारी से रुपये को

समर्थन मिल रहा है। त्रिवेदी ने कहा, “डॉलर के मजबूत होने और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद, 95.50 के स्तर के आसपास समर्थन मिलने से रुपया मजबूत बना रहा।

आगे चलकर, अमेरिका के अहम आर्थिक आंकड़े, खासकर गैर-कृषि पेरोल और बेरोजगारी के आंकड़े, डॉलर और रुपये की चाल के लिए महत्वपूर्ण होंगे। रुपये का दायरा 94.70डू95.20 के बीच रह सकता है।” इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 प्रतिशत बढ़कर 99.82 पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 373.93 अंक टूटकर 76,570.35 अंक पर जबकि निफ्टी 141.35 अंक की गिरावट के साथ 23,914.45 अंक पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 0.44 प्रतिशत चढ़कर 95.07 डॉलर प्रति बैरल हो गया। यह तेजी होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच आई।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक बाजार में शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने बुधवार को शुद्ध रूप से 6,688.37 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

पैंतीस साल बाद भारत को मिली ‘ए-’ रेटिंग, जापान की एजेंसी जेसीआर ने बढ़ाई साख..

नई दिल्ली, (भाषा)।
जापान की साख निर्धारण एजेंसी जेसीआर ने बुधवार को स्थिर परिदृश्य के साथ भारत की रेटिंग एक पायदान बढ़ाकर ‘ए-’ कर दी। एजेंसी ने भारत की ‘मजबूत’ आर्थिक वृद्धि और वित्तीय स्थिति में सुधार के आधार पर रेटिंग बढ़ायी। पैंतीस साल के अंतराल के बाद भारत ने ‘ए-’ रेटिंग हासिल की है।

जेसीआर की ‘ए’ रेटिंग वित्तीय दायित्वों को पूरा करने की उच्च स्तर की निश्चितता को बताती है। जापानी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जेसीआर) ने भारत की रेटिंग ‘बीबीबी+’ से बढ़ाकर ‘ए-’ किए जाने की घोषणा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा उम्मीद से बेहतर जीडीपी आंकड़े जारी किए जाने के कुछ ही दिन बाद हुई है। आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम एशिया संकेत से उत्पन्न वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन के कारण पहली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। एजेंसी ने कहा, “भारत की ठोस आर्थिक वृद्धि, वृद्धि की बुनियाद मजबूत करने वाली आर्थिक नीतियों की दक्षता और वित्तीय प्रणाली की मजबूती को देखते हुए भारत की विदेशी मुद्रा और स्थानीय मुद्रा में दीर्घकालिक जायिकर्ता साख को एक पायदान बढ़ाकर ‘ए-’ कर दिया है।” वित्त मंत्रालय ने कहा कि जेसीआर की रेटिंग में बढ़ोतरी ‘भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय गुणवत्ता में सुधार, मजबूत वित्तीय प्रणाली और ठोस बाह्य स्थिति’ को दर्शाती है।

15वें वित्त आयोग के चेयरमैन एन. के. सिंह ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर लिखा, “रेटिंग बढ़ाया जाना भारत की आर्थिक वृद्धि की गति, वृहद आर्थिक स्थिरता, मजबूत संरचनात्मक सुधारों और केंद्र-राज्य साझेदारी की मजबूती की मान्यता है।”

सिंह ने कहा, “’35 से अधिक साल बाद ‘ए’ रेटिंग वापस आई है।” उन्होंने कहा कि मूडीज ने आखिरी बार 1988 में भारत को

‘ए2’ रेटिंग दी थी। 1990-91 के भुगतान संतुलन संकट के समय भारत की रेटिंग घटा दी गई थी।” पिछले वर्ष प्रमुख अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने भारत की साख बढ़ायी है। मॉनिंगस्टार डीबीआरएस ने पिछले साल मई में भारत की रेटिंग बढ़ाई थी। वहीं एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अगस्त, 2025 में और जापान की रेटिंग एंड इन्वेस्टमेंट इन्फ़र्मेशन इंक (आरएंडआई) ने सितंबर, 2025 में भारत की रेटिंग बढ़ायी थी।

जेसीआर ने कहा कि केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2024-25 में 4.7 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4 प्रतिशत रहा, जबकि पूंजीगत व्यय ऊंचा बना रहा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह रेटिंग बढ़ोतरी चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच हुई है और यह भारत के आर्थिक बुनियाद में लगातार हो रही मजबूती को बताती है। इसे निरंतर आर्थिक वृद्धि, प्रभावी आर्थिक नीतियों, राजकोषीय गुणवत्ता में सुधार और मजबूत वित्तीय प्रणाली का समर्थन मिला है। जेसीआर ने कहा कि मजबूत निजी खपत और सार्वजनिक निवेश के समर्थन से भारतीय अर्थव्यवस्था ने करीब सात प्रतिशत की ऊंची वृद्धि दर कायम रखी है। पहली तिमाही में दर्ज 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि आरबीआई के सात प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के अनुमान से अधिक रही।

जेसीआर ने कहा कि 140 करोड़ से अधिक की आबादी और मौजूदा मूल्य पर 3.9 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वाली भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष में छह प्रतिशत से अधिक की उच्च वृद्धि दर बनाए रखने की उम्मीद है।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर बीते वित्त वर्ष 7.8 प्रतिशत रही। एजेंसी ने कहा कि भारत सरकार ने उत्पादकता वृद्धि और आर्थिक विकास के अनुकूल नीतियों को लगातार लागू



किया है। इनमें डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का विकास और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को लागू करना शामिल है। इससे देश की आर्थिक बुनियाद पहले से मजबूत हुई है।

जेसीआर ने भारत की वित्तीय प्रणाली की मजबूती का भी उल्लेख किया। उसने कहा कि दिवाला एवं ऋश शोधन अक्षमता संहिता का लागू करना, सरकार के पूंजी डालने और आरबीआई की मजबूत निगरानी के कारण बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है। पिछले महीने दो वैश्विक रेटिंग एजेंसियों एसएंडपी और फिच ने भी भारत की निवेश-ग्रेड रेटिंग बरकरार रखी थी। उन्होंने भारत की गतिशील और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, नीतियों के मोर्चे पर स्थिरता तथा बुनियादी ढांचे में उच्च निवेश को इसका आधार बताया था।

हालांकि, जेसीआर ने भारत के समक्ष मौजूद कुछ संरचनात्मक चुनौतियों का भी उल्लेख किया है। इनमें राजकोषीय घाटे का ऊंचा होना, राज्यों के बीच असमानताओं को कम करने के लिए राजकोषीय हस्तांतरण व्यवस्था और चुनावों को लेकर राजकोषीय प्रबंधन की संवेदनशीलता शामिल है।

एजेंसी ने कहा कि हाल के वर्षों में सरकार ने सॉफ्सडी समेत मौजूदा खर्च की वृद्धि को नियंत्रित किया है और बुनियादी ढांचे में निवेश सहित पूंजीगत व्यय को अधिक प्राथमिकता दी है। इससे राजकोषीय खर्च की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024-25 (अप्रैल-मार्च) के बजट में पहली

बार घोषणा की थी कि वित्त वर्ष 2026-27 से सरकार हर वर्ष राजकोषीय घाटे को इस तरह रखने का प्रयास करेगी कि जीडीपी के प्रतिशत के रूप में केंद्र सरकार का कर्ज घटता रहे। इसी के तहत सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में कर्ज-जीडीपी अनुपात को 55.6 प्रतिशत रहने का अनुमान रखा है, जो वित्त वर्ष 2025-26 के 56.1 प्रतिशत से कम है।

सरकार का मार्च, 2031 तक इस अनुपात को 50 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य है। केंद्र ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.3 प्रतिशत, यानी 16.96 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान रखा है। हालांकि, नई जीडीपी श्रृंखला में मौजूदा बाजार मूल्य पर जीडीपी के संशोधन के आधार पर यह लक्ष्य 4.5 प्रतिशत बैठता है।

केंद्र ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 16.09 लाख करोड़ रुपये का सकल बाजार उधारी लक्ष्य और 11.73 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध उधारी लक्ष्य रखा है। जेसीआर के अनुसार, केंद्र का कर्ज-जीडीपी अनुपात वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में 56.1 प्रतिशत था और इसके धीरे-धीरे घटने की उम्मीद है। हालांकि, राज्यों सहित सामान्य सरकारी कर्ज और उस पर ब्याज का बोझ अब भी ऊंचा है।

बाह्य क्षेत्र के मोर्चे पर जेसीआर ने कहा कि भारत का चालू खाते का घाटा (कैड) नियंत्रण में है और सेवाओं के व्यापार में अधिशेष से इसे समर्थन मिल रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार पर्याप्त है और अल्पकालिक बाहरी कर्ज से काफी अधिक है, जिससे बाहरी झटकों को लेकर भारत की स्थिति मजबूत है।

उल्लेखनीय है कि भारत का चालू खाते का घाटा जून तिमाही में बढ़कर 4.2 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 0.5 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 3.4 अरब डॉलर था। वहीं, 21 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 729.33 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हेमंत नायक

मो. 88273 19933

10

गुरुवार 03 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

live मंडला नैनपुर

● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

रामराजा सरकार की पावन नगरी में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक संपन्न

सेवा संकल्प अभियान को लेकर बनी विस्तृत कार्ययोजना, संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने पर जोर..



रामराजा सरकार के दर्शन कर लिया आशीर्वाद..

जगप्रेरणा हेमंत नायक मंडला। मंडला। भगवान श्रीराम की पावन नगरी ओरछा में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक 30 एवं 31 अगस्त को संपन्न हुई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व ने संगठनात्मक गतिविधियों, पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों तथा केंद्र एवं मध्यप्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की।

बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय, सर्वस्पर्शी एवं सर्वव्यापी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के साथ ही संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान..

बैठक में प्रधानमंत्री एवं भाजपा के शीर्ष नेता श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले +सेवा संकल्प अभियान+ को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अभियान के अंतर्गत विभिन्न सेवा एवं जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश नेतृत्व ने अभियान को प्रभावी एवं व्यापक रूप से संचालित करने के लिए जिला एवं मंडल स्तर पर आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। कार्यकर्ताओं को अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने तथा जनसेवा से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया गया।

विस्तार से चर्चा हुई तथा प्रदेश नेतृत्व का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए जिले एवं मंडल स्तर पर कार्यशाला एवं बैठकों का आयोजन किया जाएगा। इन बैठकों में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, मोर्चों के प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चों के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष एवं महामंत्री, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष, नगरपालिका एवं नगर परिषद के अध्यक्ष तथा सेवा संकल्प अभियान की जिला टोली के सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

6 सितंबर को होगी जिला स्तरीय कार्यशाला..

जिला अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया कि मंडला जिले की कार्यशाला एवं बैठक 6 सितंबर 2026, रविवार को दोपहर 1 बजे आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में आगामी सेवा संकल्प अभियान के कार्यक्रमों, संगठनात्मक गतिविधियों एवं तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा होगी। साथ ही प्रदेश नेतृत्व से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय बैठक के पश्चात मंडल अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की पृथक बैठक भी आयोजित की जाएगी। इसमें मंडल स्तर पर संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने, आगामी कार्यक्रमों की जिम्मेदारियां तय करने तथा सेवा संकल्प अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने को लेकर चर्चा होगी। जिला अध्यक्ष श्री मिश्रा ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

आदिवासी अंचल को महाकाल कनेक्टिविटी देने की तैयारी, पेंचवैली एक्सप्रेस को उज्जैन होकर चलाने की मांग तेज..

मण्डला फोर्ट तक ट्रेन के व्यावसायिक विस्तार के साथ उज्जैन जंक्शन से जोड़ने का प्रस्ताव, रेल एक्टिविस्ट ने रेलवे बोर्ड सहित वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा पत्र..



जग प्रेरणा हेमंत नायक मंडला। आदिवासी बहुल मण्डला जिले को बेहतर रेल कनेक्टिविटी से जोड़ने और मण्डला, सिवनी व छिंदवाड़ा अंचल के यात्रियों को बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन तक सीधी रेल सुविधा उपलब्ध कराने की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में रेल एक्टिविस्ट नितिन सोलंकी ने गाड़ी संख्या 19343/19344 पेंचवैली एक्सप्रेस के मण्डला फोर्ट तक व्यावसायिक विस्तार और उज्जैन जंक्शन होकर संचालन का विस्तृत तकनीकी प्रस्ताव रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड, पश्चिम रेलवे तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा है।

प्रस्ताव पत्र क्रमांक एस. एन./ एमपी/ 2026/ 36 में पेंचवैली एक्सप्रेस को मण्डला फोर्ट से संचालित करने तथा वर्तमान मार्ग में बदलाव कर इसे उज्जैन जंक्शन से जोड़ने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। प्रस्ताव के अनुसार इससे रेलवे को अतिरिक्त यात्री राजस्व मिलने के साथ क्षेत्र के हजारों यात्रियों और श्रद्धालुओं को सीधी रेल सुविधा मिल सकती है।

नैनपुर से मण्डला फोर्ट तक खाली दौड़ता है रैक..

प्रस्ताव में बताया गया है कि पेंचवैली एक्सप्रेस का रैक प्रतिदिन नैनपुर से मण्डला फोर्ट तक खाली चलाया जाता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर

मंडल के शासकीय पत्र क्रमांक 1309 के हवाले से प्रस्ताव में कहा गया है कि मण्डला फोर्ट स्टेशन पर यात्री गाड़ियों की नाइट क्लीनिंग और वॉटरिंग की व्यवस्था की स्वीकृति दर्ज है।

ऐसे में प्रस्तावक का कहना है कि खाली रैक को मण्डला फोर्ट से ही नियमित यात्री सेवा के रूप में संचालित किया जा सकता है। इससे यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ रेलवे को भी अतिरिक्त आय प्राप्त होगी।

उज्जैन होकर चलाने की मांग

प्रस्ताव का दूसरा प्रमुख बिंदु पेंचवैली एक्सप्रेस को उज्जैन जंक्शन से जोड़ना है। वर्तमान में ट्रेन देवास-मकसी मार्ग से होकर गुजरती है, जबकि उज्जैन जंक्शन सीधे मार्ग में शामिल नहीं है। प्रस्ताव में मण्डला फोर्ट-नैनपुर-छिंदवाड़ा-मकसी-उज्जैन जंक्शन-देवास-इंदौर मार्ग से ट्रेन

संचालन की मांग की गई है। इससे मण्डला, सिवनी और छिंदवाड़ा क्षेत्र के यात्रियों को उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए सीधी और सुविधाजनक रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी।

अंतर-जोनीय समन्वय पर जोर

प्रस्ताव में पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल के बीच बेहतर अंतर-जोनीय समन्वय स्थापित करने की मांग भी की गई है। साथ ही रेलवे बोर्ड के कोचिंग निदेशालय से विस्तार और मांग परिवर्तन संबंधी आवश्यक अधिसूचना जारी करने का आग्रह किया गया है।

रेलवे जानकार बोले- खाली रैक के बजाय यात्री सेवा शुरू हो..

रेलवे जानकार अम्बरीश कुमार के अनुसार, यदि पेंचवैली एक्सप्रेस का रैक नियमित रूप से नैनपुर से मण्डला फोर्ट तक खाली जाता है और वहां सफाई व पानी की व्यवस्था उपलब्ध है, तो इसे यात्री सेवा के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। इससे रेलवे को राजस्व और क्षेत्रीय जनता को सीधी रेल सुविधा दोनों मिल सकती है।

स्थानीय रेल यात्री विनोद का कहना है कि पेंचवैली एक्सप्रेस को मण्डला फोर्ट से चलाकर उज्जैन होते हुए इंदौर तक संचालित किया जाए तो मण्डला, सिवनी और छिंदवाड़ा क्षेत्र के हजारों यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

अब यात्रियों और क्षेत्रवासियों की नजर रेलवे प्रशासन के निर्णय पर है। यदि प्रस्ताव पर सकारात्मक पहल होती है तो मण्डला जिले को उज्जैन और इंदौर से जोड़ने वाली यह कनेक्टिविटी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण रेल सुविधा साबित हो सकती है।



साथ ही सम्भाग प्राथमिक शिक्षा प्रशिक्षक प्रमुख धनीराम कावरे, अंचल अभियान प्रमुख मनोहर नंदेहा, अंचल कार्यालय प्रमुख अनुज डोंगरे, अंचल प्राथमिक शिक्षा प्रशिक्षक प्रमुख राजेश यादव, अंचल गतिविधि प्रमुख राधेश्याम ठाकुर एवं अंचल संस्कार शिक्षा प्रमुख रामराजेश यादव सहित संच प्रशिक्षक मानक लाल मार्कों तथा समस्त संच प्रमुख एवं संच व्यास उपस्थित रहे।

बैठक में गत माह किए गए कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी माह में संचालित की जाने वाली गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। उपस्थित कार्यकर्ताओं को समिति एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक के

दौरान रक्षाबंधन कार्यक्रम भी उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने आपसी स्नेह एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। बैठक के अंत में प्राप्त मार्गदर्शन एवं निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप आगामी गतिविधियों को प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से संचालित करने का सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया।

सोशल मीडिया पर छाई मवई की आदिवासी बेटी रमोतिन तेकाम, 75 हजार से अधिक फॉलोअर्स के साथ बनीं संस्कृति की पहचान..

वनांचल की मिट्टी की खुशबू डिजिटल दुनिया तक पहुंचा रहीं रमोतिन, आदिवासी परंपराओं और जीवनशैली को मिल रही नई पहचान..

जग प्रेरणा हेमंत नायक मंडला।

मंडला जिले का मवई क्षेत्र अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और लोक परंपराओं के लिए जाना जाता है। इसी वनांचल की युवा आदिवासी बेटी रमोतिन तेकाम आज

सोशल मीडिया के जरिए अपनी अलग पहचान बना रही हैं। वीडियो के माध्यम से मवई और आदिवासी अंचल की संस्कृति, परंपराएं और ग्रामीण जीवन देश-दुनिया तक पहुंच रहा है। सोशल मीडिया पर 75 हजार से अधिक फॉलोअर्स के साथ रमोतिन इन दिनों क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। रमोतिन के वीडियो की सबसे खास बात उनकी सहजता और वास्तविकता है। उनके कंटेंट में पारंपरिक परिधान, लोकगीत, रीति-रिवाज, त्योहार, कृषि कार्य, जंगल, प्रकृति और आदिवासी जीवनशैली की झलक देखने को मिलती है। यही सादगी दर्शकों को आकर्षित कर रही है और उनके वीडियो बड़ी संख्या में पसंद एवं साझा किए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया को बनाया संस्कृति संरक्षण का माध्यम..

आज जहां सोशल मीडिया का उपयोग मुख्य रूप से मनोरंजन और लोकप्रियता के लिए किया



जाता है, वहीं रमोतिन तेकाम ने इसे अपनी संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने का माध्यम बनाया है। उनके वीडियो में आदिवासी समाज की जीवनशैली, खान-पान, पारंपरिक वेशभूषा, लोक परंपराओं और सामाजिक मूल्यों की झलक दिखाई देती है। रमोतिन का मानना है कि आधुनिकता के दौर में अपनी संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें नई पीढ़ी और डिजिटल मंचों तक पहुंचाना जरूरी है। इसी सोच के साथ वे लगातार नए विषयों पर वीडियो तैयार कर रही हैं।

सीमित संसाधनों के बीच बनाई पहचान..

मवई जैसे वनांचल क्षेत्र में तकनीकी और इंटरनेट सुविधाएं महानगरों की तुलना में सीमित हैं। इसके बावजूद रमोतिन ने अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच के बल पर सोशल मीडिया की दुनिया में पहचान बनाई है। उनके वीडियो में नजर आने वाला प्राकृतिक परिवेश और सहज ग्रामीण जीवन दर्शकों को खासा पसंद आ रहा है। यही कारण है कि उनके फॉलोअर्स की संख्या लगातार बढ़ रही है और उनकी पहचान क्षेत्रीय सीमाओं से आगे पहुंच रही है।

युवाओं के लिए बनीं प्रेरणा..

रमोतिन तेकाम की सफलता मवई क्षेत्र के युवाओं के लिए भी प्रेरणा बन रही है। उन्होंने यह साबित किया है कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाली प्रतिभाएं भी डिजिटल प्लेटफॉर्म का सकारात्मक उपयोग करते हुए अपनी अलग पहचान बना सकती हैं।

उनके प्रयासों से युवाओं में अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान एवं जागरूकता बढ़ाने का संदेश मिल रहा है। स्थानीय स्तर पर भी उनके प्रयासों को सकारात्मक नजरिए से देखा जा रहा है।

संस्कृति को दुनिया तक पहुंचाने का संकल्प..

रमोतिन तेकाम का कहना है कि उनकी सफलता में परिवार, समाज और क्षेत्र के लोगों का महत्वपूर्ण योगदान है। वे भविष्य में भी आदिवासी संस्कृति, लोक परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को अपने वीडियो के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना चाहती हैं। उनका उद्देश्य केवल सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाना नहीं, बल्कि अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़कर उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

आज जब सोशल मीडिया पर दिखावे और त्वरित लोकप्रियता की होड़ है, ऐसे समय में मवई की यह बेटी अपनी मिट्टी, संस्कृति और परंपराओं से जुड़कर एक अलग पहचान बना रही हैं। रमोतिन तेकाम की यह डिजिटल यात्रा मंडला जिले के साथ-साथ पूरे आदिवासी अंचल के लिए प्रेरणा और गौरव का विषय बनती जा रही है।

खनौरा में गूंजेगी शिक्षा की अलख, निःशुल्क कोचिंग क्लास का शुभारंभ

गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन की अनूठी पहल, ग्रामीण विद्यार्थियों को मिलेगा नियमित अध्ययन और विषयवार मार्गदर्शन..



जग प्रेरणा हेमंत नायक मंडला।

ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने और उनके भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन

(तस्) ग्राम इकाई खनौरा ने सराहनीय पहल की है। संगठन द्वारा ग्राम खनौरा में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क कोचिंग क्लास का शुभारंभ किया गया है। इस पहल के तहत विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ विभिन्न विषयों का विषयवार मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। साथ ही बच्चों को पढ़ाई के प्रति जागरूक करने, उनकी शैक्षणिक कमजोरियों को दूर करने तथा परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया

जाएगा। गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन ग्राम इकाई खनौरा ने इस पहल को अपनी सामाजिक और शैक्षणिक जिम्मेदारी के रूप में शुरू किया है। संगठन का मानना है कि शिक्षा ही किसी भी समाज की प्रगति और विकास की मजबूत नींव है। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध करारकर उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना संगठन के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिलेगा विशेष लाभ..

निःशुल्क कोचिंग क्लास से ऐसे विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है, जिन्हें आर्थिक या अन्य कारणों से अतिरिक्त कोचिंग और

शैक्षणिक मार्गदर्शन की सुविधा नहीं मिल पाती। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों में नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने के साथ शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है।

संगठन की इस पहल से ग्राम खनौरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों ने GSU की इस सामाजिक एवं शैक्षणिक पहल की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण विद्यार्थियों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया है। ग्राम इकाई खनौरा द्वारा निःशुल्क कोचिंग क्लास प्रारंभ किए जाने की जानकारी गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन मंडला जिला समिति को भी प्रेषित की गई है।

स्थानः ग्राम खनौरा, विकासखंड बीजाडांडी, जिला मंडला। आयोजकः गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन, ग्राम इकाई खनौरा। कार्यक्रमः निःशुल्क कोचिंग क्लास। संगठन का संदेश- 'शिक्षा से जागरूकता, जागरूकता से संगठन और संगठन से समाज का विकास।'

श्रद्धा के साथ मनाया हलषष्ठी पर्व, माताओं ने मांगी पुत्रों की दीर्घायु..

पुत्रों की लंबी उम्र के लिए माताओं ने रखा हरछट का व्रत, जिलेभर में विधि-विधान से हुआ पूजन..

जगप्रेरणा हेमंत नायक मंडला।

शहर सहित जिले के ग्रामीण अंचलों में बुधवार को हलषष्ठी (हरछट) का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। पुत्रवती महिलाओं ने अपने पुत्रों की



सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखा। शाम के समय महिलाओं ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर व्रत संपन्न किया। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से हलषष्ठी माता की पूजा की।

पूजन के दौरान महिलाओं ने अपने पुत्रों का तिलक कर उनकी मंगलकामना की। वहीं पुत्रों ने भी अपनी माताओं के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद

लिया। पर्व को लेकर सुबह से ही बाजारों में चहल-पहल रही। पूजन सामग्री, फल, पसही के चावल सहित अन्य आवश्यक सामग्री की खरीदारी के लिए बाजारों में लोगों की भीड़ नजर आई।

व्रत में रखे जाते हैं विशेष नियम..

हलषष्ठी व्रत को कठिन व्रतों में माना जाता है। इस दिन व्रती महिलाएं गाय के दूध और उससे बने दही, घी, मक्खन आदि पदार्थों का सेवन नहीं करती हैं। व्रत के दौरान विशेष नियमों का पालन किया जाता है। महिलाओं ने दिनभर उपवास रखने

के बाद शाम को पूजन किया और पारण के रूप में पसही के चावल का सेवन किया।

गो-पूजन का भी है विशेष महत्व..

हिंदू पंचांग के अनुसार हलषष्ठी पर्व भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह पर्व मातृत्व, संतान की रक्षा और उनकी दीर्घायु से जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर गो-पूजन का भी विशेष महत्व माना गया है। मान्यता है कि जिस प्रकार मां अपने बच्चों का निस्वार्थ भाव से पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार गो-माता भी अपने दूध से मानव जीवन का पोषण करती है। इसी कृतज्ञता और श्रद्धा के भाव से हलषष्ठी के अवसर पर गो-माता की पूजा-अर्चना की जाती है। जिलेभर में महिलाओं ने परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ पर्व मनाकर अपनी संतान के सुखी और स्वस्थ जीवन की कामना की।

अंकुर टेस्ट ट्यूब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंघल पीडितों के लिये एक आशा की किरण

उपलब्ध सुविधाएँ:

- टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF ET)
- इस्की टेस्ट ट्यूब बेबी (ICS)
- (IUI) आर.यू.आर.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओव्युन ड्रोशन द्वारा
- बंद फॉलोपियन ट्यूब खोलना
- पुरुष बंघल निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनोग्राफी
- हार्मोन की जांच
- हार्मोन की गड़बड़ी की ईलाज
- बंद फॉलोपियन ट्यूब खोलना
- डॉ. संजीव चिटणवीस
- डॉ.सो.प्रणिता चिटणवीस
- अस्थि रोग विशेषज्ञ
- प्रसूति, स्त्रीरोग व बंघल चिकित्सा विशेषज्ञ

एक्सीडेंट हॉस्पिटल व अंकुर क्लिनिक
गोपेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा
live गोंदिया भंडारा

12 गुरुवार 03 सितम्बर 2026

● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालोकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखादुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव

1 **महावीर कॉम्प्लेक्स**
एन.एच.रोड, बस स्टैंड के पास

2. **अष्ट विनारक अपार्टमेंट**
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..

संपर्क - नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

स्वतंत्रता संग्राम में स्व. सुखदेव अग्रवाल का महत्वपूर्ण योगदान राष्ट्रभूमि को गौरवान्वित करने वाला : पालकमंत्री नाईक

गोंदिया के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. सुखदेव जी अग्रवाल की 125 वीं जयंती पर संपन्न हुआ मध्य समारोह..

जगप्रेरणा गोंदिया। देश की आजादी के लिए अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने त्याग, संघर्ष और बलिदान दिया। ऐसे ही वीर महानायकों में गोंदिया के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. सुखदेव अग्रवाल ने भी स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया, उनके कार्यों का स्मरण करते हुए नई पीढ़ी देशसेवा की प्रेरणा ले, ऐसा आह्वान राज्य के उद्योग, सार्वजनिक निर्माण, उच्च व तकनीकी

शिक्षा, आदिवासी विकास, पर्यटन, मृदा व जलसंधारण विभाग के राज्यमंत्री तथा जिले के पालकमंत्री इंद्रील नाईक ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पूर्व विधायक स्व. सुखदेव सालिंगराम अग्रवाल की 125 वीं जयंती महोत्सव के अवसर पर श्री गुरुनानक स्कूल ग्राउंड में आयोजित समारोह में किया।

इस अवसर पर सांसद राजेंद्र जैन, विधायक विनोद अग्रवाल, नगराध्यक्ष सचिन शेंडे, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, हेमंत पटेल, केशव मानकर, गिरीष व्यास, पूर्व नगराध्यक्ष दामोदर अग्रवाल, जयप्रकाश गुप्ता और कमलकिशोर अग्रवाल, क्षेत्रपाल अग्रवाल, पवन अग्रवाल, सचिन अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

पालकमंत्री नाईक ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम



में शामिल होते समय सुखदेव अग्रवाल ने देश की आजादी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके त्याग और संघर्ष से स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूती मिली। ऐसे स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान की जानकारी नई पीढ़ी तक पहुंचाना और उनकी स्मृतियों को संजोकर रखना समाज की जिम्मेदारी है। देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले वीरों के कार्यों से देशप्रेम, सामाजिक दायित्व और राष्ट्रनिष्ठा की प्रेरणा ले। स्वतंत्रता

सेनानियों के कार्यों की जानकारी स्कूली व महाविद्यालयीन विद्यार्थियों तक पहुंचाई जाए, ताकि नई पीढ़ी उनके योगदान से परिचित हो सके और प्रेरणा ले सके।

इन्होंने भी व्यक्त किये विचार..

कार्यक्रम में नगराध्यक्ष सचिन शेंडे, गिरीष व्यास तथा कमलकिशोर अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए स्व. श्री सुखदेव अग्रवाल जी के विराट व्यक्तित्व को याद किया। इससे पूर्व एस.एस. अग्रवाल म्युनिसिपल गर्ल्स हाईस्कूल में

स्थापित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. सुखदेव अग्रवाल की प्रतिमा का अतिथियों के हस्ते अनावरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्व. सुखदेव अग्रवाल की स्मृति में जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों के सदस्यों को सम्मानपत्र प्रदान कर गौरवान्वित किया गया। साथ ही प्राविण्यता प्राप्त विद्यार्थियों का मेडल व प्रशस्तिपत्र देकर सत्कार किया गया। समारोह का सुंदर मंच संचालन व आधार प्रदर्शन शाह परिवार के नजदीकी एवं गोंदिया के ओजस्वी उद्योपकर अपूर्व अग्रवाल ने किया।

बोले विधायक विनोद अग्रवाल..

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि स्व. सुखदेव अग्रवाल का जीवन और कार्य भावी पीढ़ी को देशहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। उनके जीवन से देशभक्ति, सामाजिक दायित्व और राष्ट्रनिष्ठा की प्रेरणा लेना आवश्यक है।

बोले पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल..

पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि स्व. गुलाम भारत के दौर में कदम कदम पर अंग्रेजों की यातनाएं थी, और उन यातनाओं से जुझकर ठकारकर सुखदेव जी ने भारत के आत्मसम्मान की रक्षा की। राष्ट्रभक्ति के लिये कठोर जेल यातनाएं कर उन्होंने गोंदिया जिले की भूमि को गौरवान्वित किया है, स्व. सुखदेव जी से हम सभी को भी राष्ट्रभक्ति के लिये मर मिटने की प्रेरणा मिलती है।

सकारात्मक पत्रकारिता ही लोकतंत्र व समाज के विकास की ताकत : सांसद राजेंद्र जैन

प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया का 11 वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक संपन्न, विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्यों का 'जिला गौरव' से सम्मान..

जगप्रेरणा गोंदिया। सकारात्मक पत्रकारिता और रचनात्मक सोच ही लोकतंत्र तथा समाज विकास की वास्तविक ताकत है। इस सकारात्मक मार्ग पर चलने वाले पत्रकारों के साथ सांसद प्रफुल पटेल और मैं स्वयं सदैव मजबूती से खड़े हैं, यह दृढ़ विश्वास राज्यसभा सांसद राजेंद्र जैन ने व्यक्त किये। पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये परिचायक 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया' के 11वें स्थापना दिवस एवं भव्य सम्मान समारोह में वे बतौर मुख्य उद्घाटक संबोधित कर रहे थे।

स्थानीय होटल जिंजर (द गेटवे) में यह समारोह अत्यंत उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाजसेवियों एवं प्रतिभावानों को 'जिला गौरव' पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। साथ ही सांसद राजेंद्र जैन के राज्यसभा सदस्य चुने जाने पर उनका विशेष नागरिक सत्कार भी किया गया। प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया के अध्यक्ष अपूर्व मेठी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में नगराध्यक्ष सचिन शेंडे, पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े एवं उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेशचंद्र शुक्ला उपस्थित थे।



श्री जैन ने आगे कहा कि, आज प्रेस ट्रस्ट द्वारा किया गया मेरा सम्मान पारिवारिक स्वरूप का और अत्यंत भावुक करने वाला है। समाज के लिए बड़ा योगदान देने वाले सेवाभावी व्यक्तियों का सम्मान होना गौरव की बात है। वरिष्ठ पत्रकार भगत ठकरानी ने आजीवन सकारात्मक पत्रकारिता और जनप्रतिनिधि के रूप में जनसेवा की है, और उन्हें मिला 'जीवन गौरव पुरस्कार' उनके निस्वार्थ समाजकार्य का सच्चा सम्मान है।

बोले सचिन शेंडे..

नगराध्यक्ष सचिन शेंडे ने गोंदिया के सर्वांगीण विकास के लिए प्रशासन, जनप्रतिनिधि और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारों को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सड़कों के गड्ढे, बेसहारा मवेशी, आवारा कुत्ते, पौधारोपण और अतिक्रमण जैसी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

बोले पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे..

पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने गोंदिया जिले में सकारात्मक पत्रकारिता के सशक्त प्रवाह की

सराहना करते हुए कहा कि समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हीरों को खोजकर सम्मानित करने का सराहनीय कार्य प्रेस ट्रस्ट ने किया है।

बोले अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े..

अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े ने कहा कि प्रशासन, पत्रकार, नागरिक और जनप्रतिनिधियों के बेहतर समन्वय से जनहित के कार्य तेजी से होते हैं।

वहीं नवनियुक्त उप विभागीय पुलिस अधिकारी दिनेशचंद्र शुक्ला ने कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस बल के सदैव तत्पर रहने का भरोसा दिलाया।

नेपाल आपदा के लिये सहयोग..

समारोह में नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले नागरिकों तथा प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया के दिवंगत सदस्य दीपक जोशी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर नेपाल आपदा पीड़ितों की सहायताथ प्रेस ट्रस्ट ऑफगोंदिया की ओर से 11 हजार रुपये का चेक

अपर जिलाधिकारी घोरपड़े को सौंपा गया।

यह रहे उपस्थित..

इस आयोजन में उप जिलाधिकारी विजय अवधाने, एसडीओ चंद्रभान खंडाईत, तहसीलदार धनंजय देशमुख, डॉ. पुरुषोत्तम पटेल, वरिष्ठ साहित्यकार एड. लखनसिंग कट्टे, नारायण जमईवार, डॉ. माधुरी नासरे, डॉ. दिलीप संधी, दिलीप जैन, दिनेश दादरीवाल, अतुल दुबे, रोशन जायसवाल, जयदीप जसानी, नीरज कटकवार, रोहित झा, भालचंद्र ठाकुर, अभय सावंत, विजय बहेकार, नीलेश चौबे, सहायक जिला सूचना अधिकारी के. के. गजभिये, श्री लोखंडे, कैलाशबिहारी अग्रवाल, पार्षद लोकेश यादव, पूर्व नगराध्यक्ष कशिश जायसवाल, शकील मंसूरी, सावन बहेकार, महेश गोयल, सीए सुनील चावला, नीलेश कोठारी, रामदास बोरकर, अजय श्यामका, अमित मुंडड़ा, विप्लव जायसवाल, सागर चौहान, दिनेश उके, हर्ष उके, दुर्गाप्रसाद अग्रहरी, रितेश अग्रवाल, अपूर्व अग्रवाल, सुभाष यदुवंशी, विजय अग्रवाल, हर्षल पवार, डॉ. वैभव नासरे, नकुल मेठी सहित विभिन्न क्षेत्रों के

गणमान्य नागरिक, पत्रकार व शहरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इनका किया गया सत्कार..

आयोजित सत्कार समारोह में इस वर्ष के सत्कारमूर्ति के रूप में वरिष्ठ पत्रकार भगत ठकरानी को 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया का जीवन गौरव सम्मान' प्रदान किया गया। समाजसेवक दुलीचंद बुद्धे को स्व. श्री रणजीतभाई जसानी स्मृति सामाजिक सेवा सम्मान, जिला नियोजन अधिकारी डॉ. रूपेशकुमार राउत को स्व. श्री रामकिशोरजी कटकवार स्मृति कर्तव्यनिष्ठ सम्मान, वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सत्यनारायण यदुवंशी को स्व. श्री रामदेवजी जायसवाल स्मृति साहित्यरत्न सम्मान, प्रगतिशील किसान दादा पुंडे को स्व. श्री मोहनलालजी चांडक स्मृति कृषिरत्न सम्मान, आदर्श शिक्षक नरेंद्र गौतम को सहयोग संस्था शिक्षण गौरव सम्मान, योगगुरु दिव्या नितिन भोजवानी को स्व. श्री दीपम देवेंद्रभाई पटेल स्मृति योगरत्न सम्मान, समाजसेवी बालरंग विशेषज्ञ डॉ. सुधीर जोशी को स्व. प्राचार्य श्री योगेश नासरे स्मृति विशेष सेवा सम्मान, वृक्षधारा फंडेशन को स्व. श्री रूपनारायण झा स्मृति विशेष सम्मान से अलंकृत किया गया। सभी सम्मानित विभूतियों को शॉल, श्रीफल, सम्मान-पत्र, स्मृतिचिह्न और चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस वर्ष के आयोजन का मुख्य आकर्षण सम्मानित व्यक्तियों की जीवन-यात्रा पर तैयार की गई डिजिटल रील्स और विशेष लघु वृत्तचित्र रहे, जिन्हें बड़े पर्दे पर दिखाया गया। इस अनूठी पहल का उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। अध्यक्षीय भाषण में अपूर्व मेठी ने संस्था के 11 वर्षों के गौरवशाली सफर का ब्योरा प्रस्तुत करते हुए सकारात्मक पत्रकारिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रास्ताविक भाषण सचिव रवि आर्य ने दिया, जबकि मंच संचालन व आधार प्रदर्शन उपाध्यक्ष जयंत शुक्ला ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यकारिणी सदस्य अंकुश गुंडवार, कपिल केकत, हरिंद मेठी, आशीष वर्मा, संजीव बापट, जाहिर खान, मुकेश शर्मा, राजन चौबे, नरेश रहिते, योगेश राउत, रवींद्र तुरकर, राहुल जोशी, मनोज ताजने सहित सभी सहयोगियों ने अथक परिश्रम किया।